राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,19 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–84 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विरोध में धुआं निकाल देता हूं, गहलोत पर बरसते हुए पायलट का समझौते से इनकार

राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में आंतरिक टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। 2018 से ही अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहा मनमुटाव हर दिन नए स्तर पर पहुंचता जा रहा है।

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में आंतरिक टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। 2018 से ही अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहा मनमुटाव हर दिन नए स्तर पर पहुंचता जा रहा है। चुनाव से पहले आर-पार के मूड में दिख रहे सचिन पायलट ने अब कहा है कि वह ऐसा विरोध करते हैं कि धुआं निकाल देते हैं। एक बार फिर वसुंधरा राजे सरकार के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते हुए पायलट ने कहा कि जिन भाषणों के आधार पर चुनाव में जीत हासिल की थी उस पर काम करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अपने संस्कारों की वजह से उन्होंने कभी भाषा की मर्यादा नहीं तोड़ी। एक कार्यक्रम में पायलट ने कहा, बहुत से मामलों की जांच चल रही है उनका मैं स्वागत करता हूं। जो जनता की जेब पर डाका डालेगा उसकी जांच करो। जेल में डालो, हम सब इसका स्वागत करते हैं। लेकिन जिनके खिलाफ भाषण देकर, जिनके खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर हमने वोट लिया था, वह वादा भी पूरा करना पड़ेगा।% गौरतलब है कि पायलट लगातार वसुंधरा सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर उन्होंने हाल ही में एक दिन का अनशन भी किया था, जिससे पार्टी में काफी हलचल है। इस बीच उन्होंने कहा, मैंने कभी मर्यादाओं को लांघा नहीं। अपने शब्दों, भाषणों में, हो सकता है गुढ़ा जी कभी कभी स्लिप हो जाते हैं, लेकिन मैं कभी स्लिप नहीं होता। क्योंकि संस्कार ऐसे हैं मेरे बचपन से। शालीनता, विनम्रता, मान-सम्मान, आदर, प्रेम-भाईचारा, बुजुर्गों का सम्मान हमेशा किया,

विरोध भी करता हूं तो ऐसा कि धूआं निकालता हूं लेकिन भाषा का संयम नहीं खोता। क्योंकि मुंह से जो शब्द निकल गया वह कभी वापस नहीं होता है।

पायलट ने अपने संघर्ष का जिक्र करते हुए कि पायलट ने यह भी साफ कर दिया कि वह अपने मुद्दों से समझौता नहीं करने वाले हैं। उन्होंने कहा, हम जेलों में गए, धरने दिए, भूख हड़ताल की है, लेकिन गलत शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। वसुंधरा जी मुख्यमंत्री थीं, मेरे उम्र में बड़ी हैं। लेकिन राजनीति में जब टकराव होता था तो बराबर का होता था। लेकिन ओच्छी भाषा का इस्तेमाल ना तो पहले किया और ना करने वाले हैं। लेकिन मुद्दों सिद्धांतों को लेकर, जुबान से किए वादों को लेकर ना पहले कभी समझौता किया और ना आगे कभी समझौता करेंगे।

अमृतपाल सिंह के कितने करीब पहुंची पुलिस! बड़ा सुराग लगा हाथ, 2 और करीबी हुए गिरफ्तार

मोहाली। खालिस्तानी आतंकवादी अमृतपाल सिंह पिछले एक महीने से पुलिस और खुफिया तंत्र को छका रहा है। उसके लगभग सभी साथियों पर शिकंजा कस चुका है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पुलिस अमृतपाल के काफी करीब है। इस बीच सोमवार रात को मोहाली में दबिश डालकर पंजाब और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। इन दोनों पर अमृतपाल को छिपाने और भागने में मदद करने का आरोप है। पंजाब और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त अभियान में सोमवार रात मोहाली के सेक्टर 88 स्थित एक घर से दो घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। इसके बाद गुरजंट सिंह और निशा रानी को गिरफ्तार किया। सूत्रों ने कहा कि दोनों पर अमृतपाल सिंह को भगाने में मदद करने का आरोप है। इन्होंने अमृतपाल को अन्य सहायता भी प्रदान की। हालांकि, पुलिस ऑपरेशन के बारे में चुप्पी साधे रही और इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। 18 मार्च से अमृतपाल के खिलाफ चल रहे मेगा ऑपरेशन के दौरान दो दिन पहले, पंजाब पुलिस ने अमृतपाल सिंह के एक प्रमुख सहयोगी को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में आश्रय और अन्य सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस उप महानिरीक्षक (सीमा रेंज) नरिंदर भार्गव ने संवाददाताओं को बताया कि लुधियाना निवासी और पीलीभीत में एक डेरा के प्रभारी जोगा सिंह को फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद से गिरफ्तार किया गया था, जब वह हरियाणा से पंजाब आया था।

अमृतपाल तक पहुंचाई गाड़ी

जोगा सिंह ने अमृतपाल सिंह और उसके सहयोगी पापलप्रीत सिंह को पीलीभीत में आश्रय दिया और उनके लिए वाहनों की व्यवस्था भी की। अमृतपाल और उसका करीबी पप्पलप्रीत सिंह, जो अब पुलिस की गिरफ्त में है, 18 मार्च को पुलिस की कार्रवाई के बाद पंजाब से भाग गया था। वह 28 मार्च को राज्य लौटे।

दिल्ली और महाराष्ट्र में आने वाला है सियासी भूचाल? शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने दिए बड़े संकेत

मुंबई। देश की राजनीति में बड़ा भूचाल आने के संकेत हैं। कहा जा रहा है कि दिल्ली और महाराष्ट्र में बड़ा सियासी विस्फोट होने वाला है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सांसद और शरद पवार के बेटी सुप्रिया सुले यह दावा कर रही हैं। हालांकि, उन्हें इसके बारे में विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया। खास बात है कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार भारतीय जनता पार्टी की ओर झुकाव के संकेत दे रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुले का कहना है कि पहला धमाका दिल्ली और दूसरा महाराष्ट्र में होने जा रहा है। हालांकि, उन्होंने इस दौरान एक बात साफ कर दी है कि अजित किसी बात से नाराज नहीं हैं। खास बात है कि राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीनियर पवार से मुलाकात के बाद संकेत दिए थे कि कुछ राकंपा विधायक दबाव में पार्टी छोड़ सकते हैं। खबरें ये भी थीं कि अजित और शरद दोनों ही राकंपा विधायकों के बीच समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अब तक पार्टी और दोनों नेताओं की और से ताजा सियासी घटनाक्रमों को लेकर कुछ नहीं कहा गया है।

अजित भाजपा में जाएंगे?

रिपोर्ट के अनुसार, अजित के पते को लेकर पूछे सवाल पर सुले ने कहा, आप सभी चैनल वाले एक यूनिट अजित दादा के पीछे लगा लें। प्रदेश में कई समस्याएं हैं, राज्य में गलत तरीके से काम हो रहा है। एक कार्यक्रम रद्द होने से कुछ नहीं होगा। भाजपा में

शामिल होने की अटकलों पर उन्होंने कहा, यह बात दादा से पूछिए। मेरे पास गॉसिप का वक्त नहीं है...।

सोमवार को राकंपा के महाराष्ट्र प्रमुख जयंत पाटिल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अजित भाजपा में शामिल होंगे। ऐसी रिपोर्ट्स का कोई आधार नहीं है। नागपुर में एमवीए रैली के दौरान मैं और अजित साथ थे। मेरे विचार से अभी तो शिंदे-फडणवीस सरकार के पास बहुमत है, उन्हें सरकार की स्थिरता के लिए और विधायकों की जरूरत नहीं है।

हरियाणा के करनाल में राइस मिल ढहने से 4 की मौत

अभी कइयों के दबे होने की आशंका

करनाल। हरियाणा के करनाल में देर रात एक राइस मिल ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। घटना जिस वक्त हुई, उस दरम्यान 200 मजदूर मिल में सो रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, अभी भी कई मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर है और बचाव अभियान जारी है। घटना करनाल के तरावड़ी स्थित तीन मंजिला मिल में हुई। हरियाणा के करनाल में सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी

रात एक राइस मिल गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना करनाल के तरावड़ी स्थित तीन मंजिला मिल में हुई। शिव शक्ति राइस मिल में सोए कुछ मजदूरों के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका है। करनाल के पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने पुष्टि की है कि चार मजदूरों की मौत हो गई है और उनके शव निकाल लिए गए हैं और लगभग 20 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अधिकारियों ने कहा कि मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका है। एसपी ने कहा कि बचाव कार्य जारी है और अभी और मौतों की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। मजदूरों ने बताया कि यह घटना मंगलवार तड़के तीन बजे हुई जब शिव शक्ति राइस मिल में करीब 200 मजदूर सो रहे थे तभी ऊपर की मंजिल की छत गिर गयी। सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू करने के लिए फायर ब्रिगेड की टीमों को बुलाया गया।

घर से अचानक लापता हो गए हैं मुकुल रॉय, रहस्य गहराया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित नेता मुकुल रॉय अचानक घर से लापता हो गए हैं। वह कई दिनों से बीमार हैं और कई चीजें भूल जा रहे हैं। उनके बेटे और पूर्व विधायक शुभ्रांशु रॉय ने इस संबंध में पुलिस से संपर्क साधा है। उन्होंने बताया है कि सोमवार से सॉल्टलेक स्थित घर से वह लापता हुए हैं। सुधांशु रॉय ने उत्तर 24 परगना के अपने आवासीय क्षेत्र बीजपुर थाने में एक गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसके साथ ही उन्होंने एयरपोर्ट थाने में भी इसी शिकायत की प्रति जमा दी है। सुधांशु ने दावा किया है कि दो लोग आए और मुकुल को अपने साथ ले गए हैं। उसके बाद से पिता की कोई खबर नहीं मिल रही। इधर एक फ्लाइट टिकट सामने आया है जिसमें मुकुल रॉय का नाम है। पता चला है कि कृष्णानगर उत्तर से भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज करने के बाद ममता बनर्जी की उपस्थिति में तृणमूल में वापसी करने वाले मुकुल सोमवार रात दिल्ली गए हैं। किस वजह से उन्होंने दिल्ली की यात्रा की है इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है। उनके फोन पर भी संपर्क नहीं हो पा रहा है, न ही उनके बेटे से किसी तरह की कोई बात हो पाई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी मर्जी से दिल्ली गए हैं। राजनीतिक हलकों में इस बात की भी चर्चा है कि शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में उनके बेटे का नाम सामने आने के बाद वे बेचैन थे और संभवत- उसी के चलते वे दिल्ली गए हैं। आशंका यह भी जताई जा रही है कि चिकित्सा कारणों से वे दिल्ली गए होंगे। पुलिस ने इस मामले में कुछ भी नहीं कहा है। सूत्रों ने बताया है कि मुकुल के दिल्ली जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रही है। उल्लेखनीय है कि एक दौर में ममता के बेहद खास रहे मुकुल रॉय ने 2017 में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था। उसके बाद पांच सालों तक ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पर पर मुखर तरीके से हमलावर थे।

अप्रैल में ही जून-जुलाई जैसा हाल, झुलसाने वाली गर्मी से दिल्ली को कब मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में पड़ रही झुलसाने वाली गर्मी ने अप्रैल में ही जून-जुलाई जैसा रंग दिखाना शुरू कर दिया है। लोगों को कल से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से दिल्ली में बुधवार से कुछ राहत के आसार जताए गए हैं। वहीं, आज से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार से गुरुवार के बीच राजधानी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। इससे तापमान में भी कमी आने की संभावना है।

सीजन का सबसे गर्म दिन, 40.6 डिग्री पहुंचा तापमान

राजधानी में सोमवार इस सीजन का

सबसे गर्म दिन रहा। सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य है। इससे पूर्व बीते शनिवार को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री दर्ज किया गया था। मंगलवार को भी गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। बता दें कि, मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल, बिहार और आंध्रप्रदेश में भीषण गर्मी की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा सिक्किम, झारखंड, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में लू चलने की चेतावनी दी है। आईएमडी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल और बिहार में गंगा के मैदानी हिस्से में लगातार चार दिन तक लू की स्थिति बनी रह सकती है। सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में भी अगले दो से तीन दिन तक भीषण गर्मी का दौर बना रह सकता है। 18 अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है।

20 अप्रैल को लगेगा साल का पहला सूर्य ग्रहण

नई दिल्ली। साल का पहला सूर्यग्रहण गुरुवार को लगने जा रहा है। यह संयोग वैशाख अमावस्या के दिन बन रहा है। मालूम हो कि यह सूर्यग्रहण दुनिया के कई हिस्सों में देखा जा सकेगा। हालांकि भारत में यह दिखाई नहीं देगा। 2023 में कुल चार ग्रहण लगेंगे, जिसमें से दो सूर्यग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। 20 अप्रैल को वैशाखी अमावस्या के दिन लगने वाला सूर्यग्रहण हाईब्रिड यानी संकर सूर्यग्रहण होगा।

सुबह सात बजकर चार मिनट पर लगेगा सूर्यग्रहण

साल का पहला सूर्यग्रहण सुबह 7:04 से शुरू होगा और दोपहरा 12:29 बजे तक समाप्त हो जाएगा। भारतीय ज्योतिषीय कैलेंडर के मुताबिक, यह सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। यह सूर्यग्रहण ऑस्ट्रेलिया, पूर्व और दक्षिण एशिया, प्रशांत महासागर, अंटार्कटिका और हिंद महासागर में दिखाई देगा। इसके अलावा पूर्वी तिमोर के पूर्वी भागों में व डामर द्वीप में यह ग्रहण नजर आने वाला है। अंत में इंडोनेशिया में पापुआ प्रांत के कुछ ही हिस्सों में यह दुर्लभ सूर्य ग्रहण नजर आएगा। मालूम हो कि इस सूर्यग्रहण के ठीक 15 दिनों के बाद चंद्रग्रहण लगेगा, जबकि दूसरा सूर्यग्रहण 14 अक्टूबर को होगा।

मालूम हो कि इस ग्रहण का पाथ संकरा होने के कारण इसे संकर ग्रहण कहा जाता है। जिस कारण इसे दुर्लभ भी माना जाता है।

इसकी पूर्णता का मार्ग उत्तर पश्चिम केप, पश्चिमी आस्ट्रेलिया के एक दूरस्थ प्रायद्वीप के ऊपर से होकर जाएगा।

चार प्रकार के होते हैं सूर्यग्रहण

एरीज के पूर्व सौर विज्ञानी डा. वहाबउद्दीन के अनुसार, आंशिक सूर्य ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा से सूर्य का केवल एक हिस्सा ढका रहता है। पूर्ण सूर्य ग्रहण में चंद्रमा की छाया पूर्ण रूप से सूर्य को ढक लेती है। विज्ञानियों के लिए पूर्ण सूर्य ग्रहण अधिक महत्वपूर्ण होता है। वलयाकार सूर्य ग्रहण के दौरान चंद्रमा की आंतरिक छाया पूर्णरूप से सूर्य को ढक नहीं पाती है और सूर्य के चारों ओर के किनारे ग्रहण से मुक्त रहते हैं। देखने में यह सूर्य ग्रहण बेहद सुंदर होता है। हाइब्रिड सूर्य ग्रहण में पृथ्वी की घुमावदार सतह के चलते कभी-कभी ग्रहण वलयाकार और पूर्ण के बीच स्थानांतरित हो जाता है।

अंत में इंडोनेशिया में पापुआ प्रांत के कुछ ही हिस्सों में यह दुर्लभ सूर्य ग्रहण नजर आएगा। मालूम हो कि इस सूर्यग्रहण के ठीक 15 दिनों के बाद चंद्रग्रहण लगेगा, जबकि दूसरा सूर्यग्रहण 14 अक्टूबर को होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शराब के खिलाफ

बिहार में जहरीली शराब पीने से मौत होने पर पीड़ित परिवारों को 4-4 लाख रुपये के मुआवजे का एलान स्वागत-योग्य होने के साथ ही विचारणीय भी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यह घोषणा की है और ऐसी मांग पहले से होती आई है। हालांकि, इसके पहले खुद मुख्यमंत्री ने सख्ती से कहा था कि शराब पीकर मरने वालों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा, पीओगे, तो मरोगे। नैतिकता संबंधी प्रश्न भी उठे थे कि गलत काम के लिए मुआवजा क्यों दिया जाए, लेकिन अब सरकार का जो नया कल्याणकारी रूप सामने आया है, उसके अनेक सकारात्मक निहितार्थ हैं। हालांकि, यहां भी शराबबंदी के प्रति नीतीश कुमार की दृढ़ता और मंशा स्पष्ट है। यह मुआवजा आसानी से नहीं मिलेगा। इसके लिए मृतक के परिजनों को एक तरह से संकल्प या शपथ लेने की जरूरत पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि चार लाख रुपये दिए जाएंगे, मगर मृतक के परिजनों को यह लिखकर देना होगा कि मरने वाले व्यक्ति ने शराब पी थी। उसने कहां से शराब ली थी, उसका नाम और पता भी देना होगा। साथ ही, उसे यह भी लिखना होगा कि शराबबंदी बहुत अच्छी चीज है। हम इसका समर्थन करते हैं। भविष्य में परिवार का कोई सदस्य शराब नहीं पिएगा। मुआवजे के लिए रखी गई विस्तृत शर्त कारगर और प्रशंसनीय है। इससे बिहार में शराब माफिया पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी। इस मुआवजे को एक तरह से अपराध के खिलाफ उपाय या प्रोत्साहन योजना के रूप में देखा जा सकता है, इसकी जरूरत पहले से ही रही है। खास बात यह है कि मुआवजा केवल ताजा मामलों में ही नहीं, बल्कि शराब से हुई मौतों के पुराने मामलों में भी दिया जाएगा। मतलब, जो शराब माफिया पहले बच गए हैं, उनकी भी अब खैर नहीं। हां, इसमें एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि पुलिस को ऐसे लोगों की सुरक्षा का प्रबंध भी करना होगा, जो अपराधियों के खिलाफ खड़े होंगे। पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ गई है। पुलिस- प्रशासन को शराब के खिलाफ पूरे समाज को साथ लेकर चलना होगा, तभी अपराधियों को घेरना संभव होगा। अफसोस, पुलिस का रवैया लोगों के साथ पहले से ही दोस्ताना रहता, तो सरकार को यूं मुआवजा या अपराध विरोधी प्रोत्साहन देने की जरूरत नहीं पड़ती। बिहार में 2016 से शराबबंदी लागू हुई थी, पर शराबखोरी रुकी नहीं है। राज्य में सैकड़ों लोगों की जान गई है, क्योंकि उन्होंने जहरीली शराब का सेवन किया। ताजा हादसे में मोतिहारी में कई सारे लोगों की मौत हुई है और पुलिस ने 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें संदेह नहीं है कि दिखावे की कार्रवाई से आगे बढ़कर पुलिस को काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने अगर शराबबंदी के लिए अपने कड़े रुख को बदलते हुए लचीलापन दिखाया है, तो शासन-प्रशासन को एकजुट होकर बिहार को शराब मुक्त करने की कोशिश करनी चाहिए। पुलिस को अपना ऐसा नेटवर्क बनाना चाहिए कि राज्य में कहीं भी शराब बनाने-बेचने-पीने की कोई हिम्मत न कर सके। पुलिस को सफल कार्रवाई व आम लोगों को कारगर सूचना देने के लिए पुरस्कृत किया जाना चाहिए। अपने-अपने क्षेत्र में रसूखदार समाजसेवियों व राजनेताओं को भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित होना चाहिए। शराब कारोबार पर पंचायतों के जरिये अंकुश संभव है, मगर इसके लिए कारगर योजना और निर्देश की जरूरत है। बिहार में शराब विरोधी बड़े सामाजिक अभियान की जरूरत बहुत बढ़ गई है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

आर्थिक विषमता को गहरा करेगी नयी प्रौद्योगिकी

सुरेश सेठ

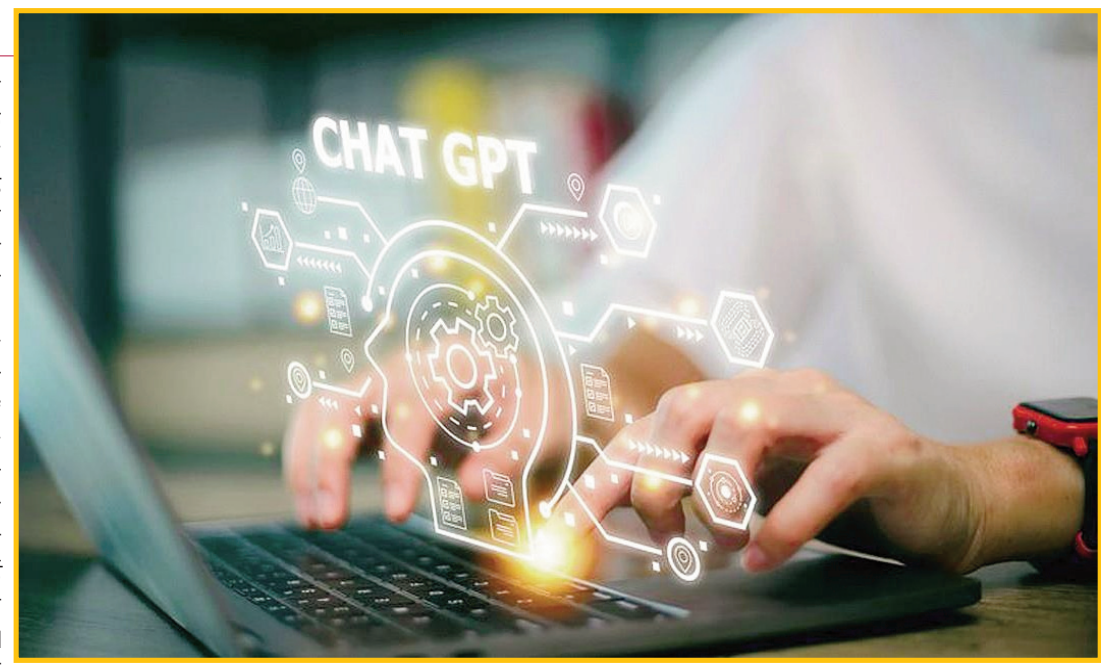

आधुनिक जीवन में जब विकास यांत्रिक खोजों के सहारे होने लगा है तो व्यक्ति सोचने के लिए विवश हो गया है कि यह कृत्रिम विकास और उससे पैदा होने वाली यांत्रिक तीव्रता एक अभिशाप है या वरदान। जाहिरा तौर पर यह वरदान ही लगती है। रोबोट बनाए तो उन्होंने आदमी का रुचिकर या अरुचिकर काम करना शुरू कर दिया लेकिन उनके कारण जो लोग बेरोजगार हो गये उनके लिए यह तो अभिशाप ही है। उसी तरह से इंटरनेट, चिप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धि का विकास हुआ। विद्वानों ने कहा कि देख लो यह है वैश्विक अवधारणा के साथ असल वसुधैव कुटुम्बकम । अच्छी बातें भी हैं इसमें, मरीज को चिकित्सा, दिल्ली में बैठे-बैठे विदेशों के महान विशेषज्ञों द्वारा मिल सकती है और इसी प्रकार छात्र को शिक्षा भी जीचैट देने को तैयार बैठी है। हम 4जी से 5जी और 5जी से 6जी होते जा रहे हैं लेकिन यह त्वरित सूचना क्रांति ठगी का एक महान संकट भी पैदा करके आई है। वह संकट यह है कि कहीं आपने अपना ओटीपी नंबर बता दिया तो आपके बैंक खाते से राशि साफ हो जाएगी। त्वरित इंटरनेट शक्ति की कृपा से यह ठगी इतने संगठित रूप से होने लगी है कि दक्षिण भारत में बैठा हुआ ठग उत्तर भारत के बैंकों से उनका धन खिसका सकता है। अभी यह सोच चल ही रही है कि यह यांत्रिक विकास मानवीय जीवन के लिए कितना सुविधाजनक है? सुविधाजनक तो सचमुच है अगर यह मानवीय व्यवहार का सहयोगी है। लेकिन यदि यह मानवीय व्यवहार पर छा जाने लगा और आदमी हर बात में गूगल पर निर्भर करने लगा तो उसमें से पूर्वाग्रहयुक्त जानकारी उसे गलत सोच के रास्ते पर भटका भी सकती है। लेकिन अभी एक नये आविष्कार ने दुनिया को हिला दिया। यह आविष्कार है चैटजीपीटी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के धरातल पर यह एक चमत्कार करने वाला आविष्कार है जो आदमी के निर्देश पर एक क्षण में वह सब बता देता है जिसे लिखने, खोजने या सोचने में कई घंटे लग जाते हैं। उलझनों और सवालों के जवाब यहां हैं। बेशक लगेगा कि यह तो मौलिक चिंतन पर बहुत बड़ा आघात है लेकिन छात्रों से लेकर कर्मचारियों तक और कर्मचारियों से लेकर निर्देशकों तक -सब ने अपने निबंध और प्रोजेक्ट आदि इस कृत्रिम बुद्धि के वरदान से तैयार करने शुरू कर दिए हैं लेकिन असल दुनिया पर नजर डालें तो दुनिया में असमानता की खाई बढ़ती जा रही है। खर्च करने की सामर्थ्य चंद लोगों की ही बढ़ी है, वहीं बहुतों की घट गई है। महंगाई ने उन्हें पंगु बना दिया है। ऐसी हालत में अगर चैटजीपीटी को बड़े पैमाने पर विद्यालयों से लेकर योजनाओं तक अपना लिया जाता है तो इसकी भारी-भरकम कीमत क्या निर्धन दे सकेंगे? फिलहाल इस चैटजीपीटी-4 को विकसित करने वाली कंपनी इसके लिए 20 डॉलर प्रति महीना मांग रही है यानी 3200 रुपये हर महीना। क्या देश के सब छात्र इसे दे सकेंगे? हालांकि यह सही है कि ये आविष्कार पहले की तुलना में बहुत उन्नत हैं। आर्थिक रूप से सक्षम कोई शिक्षक, छात्र या मोटिवेशनल स्पीकर तो इसका इस्तेमाल करके अपने काम को चार चांद लगा लेगा। लेकिन छात्रों, शिक्षकों या व्यवसायियों का जो वर्ग इतनी कीमत नहीं चुका सकता, वे पिछड़ जाएंगे। हम लघु और कुटीर उद्योगों के विकास की बहुत बात करते हैं। इनकी रोजगार पैदा करने की सामर्थ्य की चर्चा भी बहुत है लेकिन अगर इसमें चैटजीपीटी को अपना लिया जाए तो इसकी लागत कहां जाएगी? बड़े उद्योगों के मुकाबले में छोटे और कुटीर उद्योगों के लिए यह एक घाटे का सौदा ही होगी। मसलन बच्चों को ले लें। बहुत से बच्चे तो आरक्षण की छात्रवृति से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उनके पास भोजन तक के पैसे नहीं, और वे मध्याह्न भोजन से गुजारा करते हैं। ऐसे लोगों में क्या चैटजीपीटी बांटा जाएगा? तो वे शिक्षा संबंधी प्रतियोगिता में धनी स्कूलों का मुकाबला कैसे करेंगे? फिर चैटजीपीटी-4 की यह यांत्रिक शक्ति भाषाओं के लिए, विशेष रूप से स्थानीय भाषाओं के लिए तो उनकी नाराजगी का कारण ही न बन जाए। अभी तक जो विकास चैटजीपीटी या चैटजीपीटी-4 का हुआ है, उसमें सही जानकारी अधिकतर अंग्रेजी भाषा में आ रही है। फिर इसके स्थानीयकरण की कोशिश होगी। इंटरनेट में अनुवाद करने वाली मशीनरी तो इतनी कमजोर है कि अर्थ का अनर्थ कर देती है। जब तक यह तकनीक स्थानीय भाषाओं में विकसित होगी, तब तक तो न जाने दरिया में कितना पानी बह जाए। इसलिए अब जब शिक्षा, शोध और नौकरी तक नौजवान पीढ़ी को अपने प्रोजेक्ट तैयार करने पड़ेंगे तो क्या वे अंग्रेजी भाषा की ओर नहीं भागेंगे? जिस भाषा में यह चैटजीपीटी उन्हें सुविधा दे रहा है। वहीं चैटजीपीटी ने सुरक्षा की जानकारी में भेद लगाने भी शुरू कर दिए हैं। बहुत से देश तो इस आशंका से त्रस्त हो गए हैं कि इतनी असीम ताकत वाली बुद्धि का मशीनीकरण वह सह नहीं पाएंगे। चीन ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि उसे डर है कि उसके अमेरिका जैसे शत्रु देश , इस यंत्र से उन्हें गलत जानकारियां देकर भटका सकते हैं। रूस ने भी यही प्रतिबंध लगाया है। ईरान, उत्तर कोरिया, क्यूबा और सीरिया में भी सुरक्षा कारणों से इसे प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेकिन यांत्रिक विकास से डरने की जरूरत नहीं होनी चाहिये। जिन्होंने इसका विकास किया है, उन्हें इसके गलत इस्तेमाल को रोकने के अवरोध भी बना देने चाहिए थे। दूसरी बात यह कि आखिर इस तकनीक का इस्तेमाल तो व्यक्ति को ही करना है। व्यक्ति ही सर्वोपरि है। इसलिए ऐसी तरक्की पर प्रतिबंध की जरूरत नहीं बल्कि लोगों को प्रशिक्षित करने की जरूरत है। अगर हम मोबाइल और इंटरनेट क्रांति का पूरा प्रशिक्षण लोगों को प्रदान कर दें तो ठगी बंद हो जाएगी। चैटजीपीटी के इस्तेमाल का पूरा प्रशिक्षण साधारण आदमी को भी मिल जाए तो वह इसके गलत इस्तेमाल के रास्ते में दीवार बन जाएगा क्योंकि वह सही और गलत जानकारी की पहचान कर लेगा जैसा कि अभी गूगल के मामले में भी हो रहा है। लेकिन एक त्रुटि का निराकरण शायद न हो सके, वह है आर्थिक सामर्थ्य में असमानता का। वर्तमान में हर देश में गरीब और अमीर के बीच फासला बढ़ रहा है। करोड़पतियों के मुकाबले में गरीब लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। अब या तो इस असमानता और भेदभाव को खत्म किया जाए या फिर तब तक ऐसी सामर्थ्यवान यांत्रिकता चंद धनकुबेरों की गठरी में ही न डाल दी जाए। यांत्रिकता की सार्वभौमिकता व व्यापकता के लिए गरीबों के पक्ष में इसका निःशुल्क वितरण करना भी जरूरी होगा यदि असल में हम चाहते हैं कि गरीब और अमीर बौद्धिक रूप से एक जैसा विकास करें।

लेखक साहित्यकार हैं।

मध्यप्रदेश में ऊर्जा के नये स्त्रोतों का संरक्षण

(लेखक-निलय श्रीवास्तव)

मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है। कभी आप इसे बीमारु राज्य के रूप में जानते रहे होंगे लेकिन आज यह प्रदेश विकास का रोल मॉडल बना हुआ है। बुनियादी सुविधाओं से लबरेज मध्यप्रदेश की विकास की यह कहानी डेढ़ दशक पहले आरम्भ हुयी थी और आज प्रदेश का चप्पा -चप्पा विकास की गाथा सुन रहा है। सड़क, पानी,स्कूल, स्वास्थ्य के साथ ही घटाघोप अंधेरे में रहने वाले मध्यप्रदेश के सैकड़ों गांव अब रोशन हो चुके हैं। विद्यार्थियों को पढ़ने के लिये बिजली की रोशनी मिल रही है तो किसानों के खेतों में पानी पहुँचाने के लिये बिजली की कोई कमी नहीं है। बिजली की कमी को पूरा करते हुए जिन परियोजनाओं पर काम चल रहा है उससे यह कहने में संकोच नहीं है, सन् 2024 के आते-आते आवश्यकता के अनुरूप बिजली पैदा होने लगेगी और मध्यप्रदेश स्थायी रूप से बिजली संकट से मुक्त हो जाएगा। यह कायापलट शिवराज सिंह सरकार के सुनियोजित प्रयासों के फलस्वरूप ही संभव हुआ है। बिजली उत्पादन और उसकी क्षमता बढ़ाने के लिये मध्यप्रदेश में काम जिस तेज गति से चल रहा है उससे संकेत मिलते हैं कि अब प्रदेशवासियों को बिजली संकट से पूर्णरूपेण निजात मिल जायेगी। उक्त दिशा में सरकार तो अपना प्रयास कर रही है,यदि जनभागीदारी भी सुनिश्चित हो तो लक्ष्य आसान हो जायेगा। सबका साथ,सबका विकास के सूत्र वाक्य को चरितार्थ करते हुए शिवराज सिंह सरकार ने गांव और गरीबों का ख्याल रखा है ताकि उनके हक की रोशनी कोई छीन न सके। मध्यप्रदेश में वर्तमान में नवकरणीय और पुनरोपयोगी ऊर्जा के बड़े कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। प्रदेश में पिछले 10 वर्षो में 11 गुना नवकरणीय ऊर्जा का विस्तार हुआ है। प्रदेश में लगभग 5400 मेगावाट क्षमता की नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। प्रमुख नगरों और कस्बों में सौर ऊर्जा के महत्व पर ध्यान दिया जा रहा है। आमजन को ऊर्जा के व्यय तथा अपव्यय के प्रति जागरूक करने के अलावा ऊर्जा के पारम्परिक एवं वैकल्पिक साधनों की जानकारी देना भी उतना ही जरुरी है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाया जाने वाला ऊर्जा साक्षरता अभियान इस दिशा में अति महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी नागरिकों को ऊर्जा साक्षर बनाये जाने का प्रयास किया जायेगा। योजना में अधिक प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करने के लिये पहला तथ्य यह है कि सभी के व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण निहित हो। इसे एक अभियान के तहत् हर गांव-शहर में गंभीरतापूर्वक लिया जाये तो हर व्यक्ति सतर्कता से ऊर्जा की बचत कर सकता है। कम लोग जानते होंगे कि मध्यप्रदेश में उपलब्ध कुल बिजली आपूर्ति का 21 प्रतिशत हिस्सा नवकरणीय ऊर्जा से प्राप्त होता है। यहाँ यह भी बताते चलें कि विगत वर्ष दिसम्बर माह तक लगभग 5100 मेगावाट क्षमता की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता की स्थापना की गयी है। इसमें सौर ऊर्जा क्षमता 2432 मेगावाट तथा पवन ऊर्जा क्षमता 2444 मेगावाट है। सौर ऊर्जा का और अधिक उत्पादन करने के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में मध्यप्रदेश दिनोंदिन आगे बढ़ रहा है। देश और दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु असंतुलन और बिजली के अपव्यय से बचाने के लिये मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग ने कई नवाचार किए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर सरकार द्वारा नवकरणीय ऊर्जा पॉलिसी 2022 बनाई गई है। प्रदेश में इसके पहले ऊर्जा स्त्रोत पर आधारित चार पृथक नीतियां लागू थीं। इनमें सौर ऊर्जा नीति वर्ष 2012, पवन ऊर्जा नीति वर्ष 2012, लघु हाइड्रो ऊर्जा नीति वर्ष 2011 और बॉयोमास ऊर्जा नीति वर्ष 2011 है। अब राज्य सरकार द्वारा लागू नवकरणीय ऊर्जा नीति में आधुनिक ऊर्जा तकनीको (हाइब्रिड, स्टोरेज और ग्रीन हाइड्रोजन आदि) तथा नवकरणीय ऊर्जा विनिर्माण इकाइयों को प्रोत्साहन के लिए कई प्रावधान किये गए है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में ''मध्यप्रदेश में प्रतिदिन 22 हजार मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। कोयला तथा पानी पर निर्भरता कम करते हुए सूरज और हवा से भी बिजली उत्पादन का काम तीव्र गति से किया जा रहा है। मई 2023 तक आगर,नीमच एवं शाजापुर संयंत्रों में 1500 मेगावाट सौर बिजली पैदा होने लगेगी। हमारे प्रयास के अनुरूप ओंकारेश्वर बांध में तैरने वाला सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्रीन एनर्जी के संकल्प और स्वपन को पूरा करने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है।'' प्रकृति ने हमारे प्रदेश को ऐसी विशिष्ट स्थिति दी है कि यहाँ ज्यादातर हिस्सों में वर्ष भर में 200 से 250 दिनों तक खुलकर धूप निकलती है। यदि आकाश साफ हो तो किसी जगह की स्थिति के अनुसार प्रतिदिन प्राप्त होने वाली सौर ऊर्जा चार से लेकर सात किलोवाट प्रतिवर्ग किलोमीटर के मध्य होती है। वहीं ठंडे प्रदेशों के ध्रुवीय इलाकों को यह अनमोल वरदान नहीं मिला। सौर ऊर्जा के अनेक वैकल्पिक स्त्रोत हैं। यदि इन स्त्रोतों को पूरी तरह क्रियान्वित किया गया तो प्रदेश में होने वाली बिजली की खपत का पचास प्रतिशत हिस्सा इन सौर ऊर्जा के स्त्रोतों द्वारा पूरा किया जा सकता है। ऊर्जा के गैर पारम्परिक स्त्रोतों के उपयोग को बढ़ावा मिला तो लक्ष्य के अनुरुप बिजली उत्पादन में मदद मिलेगी। सौर ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा जैव ऊर्जा के चलन को प्रचलित करना इसलिये आवश्यक है क्योंकि इनका नवीनीकरण किया जा सकता है। फिर वर्तमान में ऐसे उपाय खोज लिये गए हैं जिनके द्वारा हम सौर ऊर्जा से सीधे अपनी ऊर्जा सम्बंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। यहाँ बताते चलें कि सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन की हर संभावना को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तलाशा जा रहा है। निश्चित रुप से सौर ऊर्जा एक उभरता हुआ क्षेत्र है अतः इसमें नित् नये प्रयोग होते रहना चाहिये। सरकार सोलर पैनल या प्लेट निर्माण, बैटरी बनाने की दिशा में भी काम कर सकती है। इससे जुड़े उद्योगों को प्रोत्साहित करने से औद्योगिक विकास के नये रास्ते खुलेंगे। ऊर्जा के उत्पादन के साथ-साथ ऊर्जा की बचत के बारे में भी गहन चिंतन होना चाहिये। यह एक ऐसा गंभीर विषय बन गया है जो सामान्य व्यक्ति के भी जीवन से गहरा सरोकार रखता है। प्रत्येक व्यक्ति को सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी लेकर अपने जीवन में इसे जोड़ने के लिए प्रयत्नशील होना चाहिए। इस दिशा में सरकार के साथ जनभागीदारी जरुरी है।

विचार मंथन

क्षमता से अधिक विचाराधीन कैदी, स्वतंत्रता का अधिकार बाधित

(लेखक- सनत जैन)

भारत की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी बंद है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार जेल में 77 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी बंद है। इनमें से 68 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी अनपढ़ और आठवीं मिडिल स्कूल से कम पास हैं। यह कैदी दलित जनजाति और पिछड़ा वर्गों के हैं। इन कैदियों में 20 फ़ीसदी कैदी मुसलमान हैं। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2022 के अनुसार क्षमता से अधिक कैदियों के जेल में होने के कारण, इनके मानव अधिकारों का भी हनन हो रहा है। वहीं इनके संवैधानिक मौलिक अधिकार स्वतंत्रता का भी हनन हो रहा है। इसमें कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। हर चार में से तीन कैदी विचाराधीन हैं। इनके पास जमानत के लिए नाहि संपत्ति होती है, और ना ही पैसे होते हैं। जिसके कारण यह छोटे-मोटे अपराधों में एक बार जेल जाते हैं। जमानत के अभाव में वर्षों इन्हें जेल में बंद रखा जाता है। इनकी आर्थिक दृष्टि ऐसी नहीं होती है, कि यह अपना मुकदमा भी लड़ सकें। परिवारजन उन्हें आर्थिक संकट के चलते भाग्य के भरोसे छोड़ देते हैं। 2021 की रिपोर्ट में कहा गया था, कि 80 फीसदी कैदियों को 1 वर्ष तक की अवधि के लिए जेलों में बंद रखा गया। 2021 में रिहा किए गए 95 फ़ीसदी विचाराधीन कैदियों को न्यायालय ने जमानत भी दी। लेकिन जमानत राशि नहीं भर पाने के कारण यह जेलों में बंद है। भारत के 16 राज्यों एवं 3 केंद्र शासित प्रदेशों में क्षमता से अधिक कैदी पिछले कई वर्षों से बंद हैं। इसमें सबसे ज्यादा बिहार की हालत खराब है। जहां 140 फ़ीसदी से अधिक कैदी है। उत्तराखंड में 185 फ़ीसदी क्षमता से अधिक कैदी बंद है। रिपोर्ट के अनुसार 391 जिलों में, क्षमता की तुलना में 150 फ़ीसदी तथा 709 जिलों में 100 फ़ीसदी से अधिक कैदी बंद हैं। आदर्श कारावास नियमावली के अनुसार 200 कैदियों पर एक सुधारात्मक अधिकारी और 500 कैदियों पर एक मनोचिकित्सक होना अनिवार्य है। जेलों में 2770 सुधारात्मक अधिकारी होने चाहिए। लेकिन केवल 1391 पद स्वीकृत किए हैं और काम केवल 886 कर रहे हैं। देश की जेलों में पर्याप्त स्टाफ भी नहीं है। महिला आरक्षकों की भारी कमी है हर 30 कैदियों के लिए कम से कम एक सरकारी वकील होना अनिवार्य है। जो उनके मामलों की पैरवी कर सके, यह भी संभव नहीं हो पा रहा है। छोटे-मोटे अपराधों में हजारों कैदी वर्षों से जेलों में बंद है। इनके मुकदमे का फैसला भी नहीं हो पा रहा है। सजा से अधिक यह जेलों में विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। जेलों में कैदियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। लेकिन जेलों की संख्या नहीं बढ़ पा रही है। 2020 में देश में कुल जेलों की संख्या 1306 थी। जो वर्ष 2021 में बढ़कर मात्र 1319 हुई है। जबकि जेलों में कैदी बढ़ते ही जा रहे हैं। संविधान के मौलिक अधिकारों में स्वतंत्रता का अधिकार शामिल है। 80 फ़ीसदी परिवारों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती है। छोटे-मोटे अपराध में जेल में बंद इन विचाराधीन कैदियों के बारे में न्यायालय को सहानुभूति पूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। ऐसे कैदियों को एक निश्चित समय की सीमा के बाद व्यक्तिगत बांड लेकर जेल से रिहा करने अथवा जुर्माने की राशि माफ करने पर न्यायालयों और सरकारों को विचार करना चाहिए। विचाराधीन कैदियों में अधिकांश ऐसे कैदी हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति ऐसी भी नहीं है, कि उनका परिवार दो वक्त की रोटी का आसानी से इंतजाम कर सके। ऐसी स्थिति में उनके लिए मुकदमा लड़ना या जमानत देना या जुर्माने की राशि भरना संभव ही नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों को भी सोचना होगा कि विचाराधीन कैदी के रूप में छोटे-मोटे अपराधों में लिप्त इन कैदियों को लंबे समय तक जेलों में बंद रखना इनके मानव अधिकारों का उल्लंघन है। इसके लिए एक व्यापक सोच और नीति बनाने की जरूरत है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और न्यायपालिका इस समस्या पर सकारात्मक रुख अपनाएं। इतनी बड़ी संख्या में जेलों में जो विचाराधीन कैदी बंद हैं। सामाजिक व्यवस्था और उनकी ऊर्जा का इस्तेमाल राष्ट्रहित में करने से ही राष्ट्र का फायदा होगा। जेलों में बंद रखकर हम उनकी स्वतंत्रता को तो बाधित कर ही रहे हैं। वहीं इतनी बड़ी आबादी को निष्क्रिय बनाकर, सरकार के ऊपर खर्च बढ़ाकर हम कहीं ना कहीं राष्ट्र के विकास को बाधित कर रहे हैं। अब तो यह भी सुनने में मिल रहा है, कि बेरोजगारी और मंहगाई के कारण गरीब छोटे-मोटे अपराध कर जेल चला जाता है। वहां दो वक्त का खाना मिल जाता है। जमानत मिलने के बाद भी वह जेल में बने रहने के लिये जमानत नहीं कराते है। यदि यह सही है तो हम किस तरह का आर्थिक विकास कर रहे हैं। इसका चिंतन भी किया जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन की जीडीपी 2023 की पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत बढ़ी

बीजिंग । चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2023 की पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इस दौरान खपत और खुदरा बिक्री बढ़ने से अर्थव्यवस्था को ताकत मिली। विशेषज्ञों ने कहा कि सरकार द्वारा कोविड महामारी को लेकर सख्त नीति को छोड़ने के बाद आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं। पिछले साल की इसी अवधि जनवरी-मार्च 2022 में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2.9 प्रतिशत थी। कोविड-19 प्रतिबंधों को हटाने के बाद बाजारों और रेस्टोरेंट में लोगों की आवाजाही बढ़ी, जिससे सकल घरेलू उत्पाद को समर्थन मिला। मार्च में उपभोक्ता वस्तुओं की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत बढ़ी। साल के पहले दो महीनों में यह आंकड़ा 7.1 प्रतिशत था। मार्च 2023 में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर 3.9 प्रतिशत बढ़ा।

मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ 25 अप्रैल को खुलेगा

नई दिल्ली । दवा बनाने वाली कंपनी मैनकाइंड फार्मा का आईपीओ (प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम) 25 अप्रैल को खुलेगा। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार तीन दिन का आईपीओ 27 अप्रैल को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली 24 अप्रैल को खुलेगी। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर जारी नहीं किया जा रहा है, और यह पूरी तरह प्रवर्तकों और अन्य मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में प्रवर्तक रमेश जुनेजा, राजीव जुनेजा और शीतल अरोड़ा शामिल हैं। इसके अलावा, केयर्नहिल सीआईपीईएफ, केयर्नहिल सीजीपीई, बेज लिमिटेड और लिंक इंवेस्टमेंट ट्रस्ट भी अपने शेयर बेच रहे हैं। चूंकि यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश के रूप में है, इसलिए इससे कंपनी को कोई राशि नहीं मिलेगी और निर्गम से जुटाई गई पूरी धनराशि शेयरधारकों के पास जाएगी।

वेदांता ने 20 कोरियाई कंपनियों के साथ डिस्प्ले केंद्र के लिए समझौता किया

मुंबई । वेदांता समूह ने कहा कि उसने भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के विकास के लिए डिस्प्ले ग्लास क्षेत्र से जुड़ी 20 कोरियाई कंपनियों के साथ समझौते किए हैं। हाल ही में संपन्न कोरिया बिज-ट्रेड शो 2023 में वेदांता समूह को एक रोडशो के लिए आमंत्रित किया गया था। इस शो का आयोजन कोरियाई सरकार के व्यापार एवं निवेश प्रोत्साहन निकाय कोट्रा ने किया था। वेदांता के सेमीकंडक्टर एवं डिस्प्ले कारोबार के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि 20 कोरियाई कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कोरिया की 50 से अधिक कंपनियों ने वेदांता के साथ साझेदारी करने में रुचि दिखाई थी। इस बयान में उन्होंने भारत में एक डिस्प्ले विनिर्माण केंद्र स्थापित करने की वेदांता की योजना की जानकारी देने के साथ संभावित साझेदारों एवं उपभोक्ताओं को अपने साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार की अनुकूल नीतियों से भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स का गढ़ बनाने की कोशिशें तेज हुई हैं। वेदांता का डिस्प्ले विनिर्माण केंद्र इस प्रस्तावित इलेक्ट्रॉनिक्स केंद्र में महत्वपूर्ण स्थान रखेगा। वेदांता और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम ने गुजरात में एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा वेदांता ने एक डिस्प्ले इकाई लगाने का भी आवेदन किया है। यह इकाई मोबाइल फोन, टेलीविजन एवं अन्य डिजिटल उत्पादों के लिए स्क्रीन बनाने का काम करेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। इससे पहले सोमवार को भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन आज वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार में गिरावट आई जो अंत तक बनी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 183.74 अंक करीब 0.31 फीसदी नीचे आकर 59,727.01 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,113.47 के उच्च स्तर पर जाने के बाद 59,579.30 तक गिरा। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी 46.70 अंक तकरीबन 0.26 फीसदी फिसलकर 17,660.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,766.60 की उंचाई तक ऊपर जाने के बाद 17,610.20 तक गिरा।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 14 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंडसइंड बैंक, नेस्ले इंडिया, विप्रो, और मारुति सेंसेक्स के शीर्ष पांच शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर सबसे ज्यादा 2.17 फीसदी तक उछले। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, रिलायंस और बजाज फिनसर्व सबसे अधिक नुकसान वाले शीर्ष पांच शेयर रहे। इसमें भी पावर ग्रिड के शेयरों सबसे अधिक 2.45 फीसदी तक गिरे। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई है। सेंसेक्स 99.64 अंक की बढ़त के साथ 60,010.39 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 26.20 अंक की बढ़त के साथ 17,733 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की मिलीजुली शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 83.48 अंक की गिरावट के साथ 59,827.27 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 79.70 अंक की बढ़त के साथ 17,786.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे टूटकर 82.04 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विश्व की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने तथा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपये की गिरावट पर कुछ हद तक अंकुश लगा। इससे पहले आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.99 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे नीचे आकर 82.04 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 81.96 के उच्च स्तर और 82.09 के निचले स्तर के बीच रहा। वहीं गत कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया 82.01 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.37 फीसदी नीचे आकर 101.73 पहुंच गया।

टीसीएस के कर्मचारियों को मिलेगा 12 से 15 फीसदी इंक्रिमेंट!

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस अपने टॉप परफॉर्मिंग कर्मचारियों को 12 से 15 फीसदी तक इं क्रिमेंट दे सकती है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी को उम्मीद है कि इस कदम से नौकरी छोड़ने या बदलने वाले कर्मचारियों की संख्या में कमी आएगी। अभी कंपनी में एट्रिशन रेट 20 फीसदी है जो इस वित्त वर्ष के दूसरे हाफ में घटकर 13 से 14 फीसदी रह सकता है। साथ ही कंपनी कैंपस रिक्रूट्स के लिए भी बेस सैलरी में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। अगर टीसीएस ऐसा करती है तो आईटी सेक्टर की दूसरी कंपनियों को भी इस तरह का फैसला लेना पड़ सकती है। आईटी सेक्टर में नौकरियों की संख्या कम हो रही है लेकिन टीसीएस ने पिछले वित्त वर्ष में कैंपस से 44,000 भर्तियां की। इस साल कंपनी की योजना कैंपस से 40,000 लोगों को भर्ती करने की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस के चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर मिलिंद लक्कड़ ने कहा कि कंपनी अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को 12 से 15 फीसदी सैलरी हाइक देने पर विचार कर रही है। बाकी कर्मचारियों को 1.5 फीसदी से आठ फीसदी तक का इंक्रिमेंट मिल सकता है। पिछले साल कंपनी ने जूनियर लेवल पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को 11 फीसदी बोनस दिया था जबकि सीनियर लेवल पर कम बोनस दिया गया था। इसके अलावा जनवरी-मार्च की पहली तिमाही में जूनियर एग्जीक्यूटिव्स को 100 फीसदी बोनस दिया गया। वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 821 नए कर्मचारियों को भर्ती की जबकि वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में यह संख्या 35,209 थी।

टेस्ला को नया इंटीरियर पर्सनलाइजेशन सिस्टम पेटेंट मिला

सैन फ्रांसिस्को ।

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला को एक नए इंटीरियर पर्सनलाइजेशन सिस्टम के लिए पेटेंट मिला है, जो संभावित रूप से अपने वाहनों की पहुंच और आराम को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी पेटेंट कार्यालय में हाल ही में दायर पेटेंट आवेदन से पता चलता है कि कंपनी एक उन्नत निजीकरण प्रणाली विकसित कर रही है जो ऑटोमोटिव उद्योग में मौजूदा तकनीकों को पार कर सकती है। नया पर्सनलाइजेशन सिस्टम कार के इंटीरियर कैमरा सिस्टम का उपयोग रहने वालों की पहचान करने, उनके आकार का अनुमान लगाने और आराम और उपयोग में आसानी के लिए सेटिंग्स को वैयक्तिकृत करने के लिए करेगा। रिपोर्ट के अनुसार यह सामने की सीट पर रहने वालों की ऊंचाई के आधार पर फ्रंट सीट और कंट्रोल पोजिशनिंग सहित कई सेटिंग्स को एडजस्ट कर सकता है, पूरे केबिन में कहां और कितने लोग बैठे हैं जो ऑडियो सेटिंग्स के आधार पर एयर कंडीशनिंग वेंट्स की दिशा और उपयोग सुनिश्चित करते हैं। केवल रहने वालों को अधिक आरामदायक बनाने के अलावा, बेहतर निजीकरण प्रणाली से टेस्ला की मौजूदा सुरक्षा प्रणाली में भी सुधार होगा। वाहन अक्षम व्यक्तियों का पता लगा सकता है और या तो आपातकालीन सेवाओं को बुला सकता है या शायद व्यक्ति को अस्पताल ले जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा इन उपकरणों को कार की टक्कर के बाद यह सुनिश्चित करने के लिए नियोजित किया जा सकता है कि वाहन यात्रियों को चोट न लगे। इस बीच वॉल स्ट्रीट के अनुमानों को मात देते हुए टेस्ला ने 2023 की पहली तिमाही में रिकॉर्ड 4,22,875 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की है। पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक कार निर्माता ने 4,40,000 से अधिक वाहनों का उत्पादन किया।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एम14 5जी लांच किया

मुंबई ।

सैमसंग ने 50 एमपी ट्रिपल कैमरा, 6000 एमएएच बैटरी, 5 एनएम प्रोसेसर और ढेर सारे फीचर्स के साथ गैलेक्सी एम14 5जी स्मार्टफोन लांच करने की घोषणा की। फुल एचडी प्लस 90हर्ट्ज डिस्प्ले के साथ 6.6-इंच एम14 5जी की कीमत 13,490 रुपये (4 प्लस 128 जीबी) और 6 प्लस 128 जीबी वेरिएंट की कीमत 14,990 रुपये है। गैलेक्सी एम14 5जी की बिक्री 21 अप्रैल को दोपहर 12 बजे शुरू होगी। सैमसंग इंडिया के मोबाइल बिजनेस के निदेशक राहुल पाहवा ने कहा, 2019 में लांच होने के बाद से, गैलेक्सी एम सीरीज ने भारत में लाखों उपभोक्ताओं का प्यार और प्रशंसा प्राप्त की है। एफ1.8 लेंस लो-लाइट फोटोग्राफी को बहुत स्पष्टता के साथ सक्षम बनाता है।सेल्फी के लिए डिवाइस में 13 एमपी का फ्रंट कैमरा है। अपनी 6000 एमएएच बैटरी के साथ, गैलेक्सी एम14 5जी बिना चार्ज किए दो दिन तक चलने का दावा करता है। कंपनी ने कहा कि स्मार्टफोन 25वॉट फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है, जो आपके फोन को त्वरित समय में रिचार्ज कर सकता है। डिवाइस में मल्टी-टास्किंग के लिए सेगमेंट-अग्रणी 5एनएम एक्सीनोस 1330 प्रोसेसर है। गैलेक्सी एम14 5जी रैम प्लस फीचर के साथ 12 जीबी तक रैम के साथ आता है। जब व्यक्तिगत डेटा और एप्लिकेशन को स्टोर करने की बात आती है, तब यह डिवाइस बढ़ी हुई सुरक्षा और प्राइवेसी के लिए सिक्योर फोल्डर का समर्थन करता है। यह एंड्रॉइड 13 पर आधारित वन यूआई 5.1 कोर के साथ आता है। सैमसंग ने कहा कि वह गैलेक्सी एम14 5जी के लिए ओएस अपग्रेड की 2 जेनरेशन और 4 साल तक का सिक्योरिटी अपडेट मुहैया कराएगी।

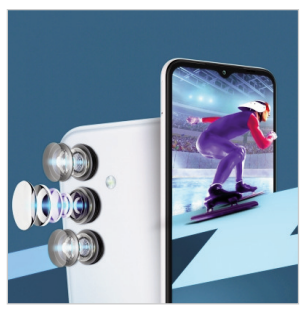

एवलॉन के शेयर पहले दिन एक प्रतिशत गिरकर सूचीबद्ध हुए

नई दिल्ली । इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण संबंधी सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी एवलॉन टेक्नोलॉजीज के शेयर पहले दिन एक प्रतिशत गिरावट के साथ सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई पर निर्गम मूल्य के मुकाबले 1.14 प्रतिशत गिरकर 431 रुपए पर सूचीबद्ध हुए। बाद में शेयर 5.43 प्रतिशत टूटकर 421.30 रुपए के भाव पर आ गए। एनएसई पर एवलॉन टेक्नोलॉजीज के शेयर निर्गम मूल्य 436 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, हालांकि बाद में इसमें 2.98 प्रतिशत की गिरावट हुई। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 2.21 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 865 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 415-436 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था।

मुंबई में खुला एप्पल का पहला रिटेल स्टोर, देसी ढोल की थाप पर कुक ने किया ग्राहकों का स्वागत

स्टोर से बाहर निकलकर लोगों के साथ सेल्फी ली

मुंबई ।

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने देश में कंपनी का पहला ब्रांडेड रिटेल स्टोर खोलने पर देसी ढोल की थाप के बीच लोगों की भारी भीड़ और पहले ग्राहकों का अभिवादन किया। कुक मुंबई के रिटेल स्टोर से निकले और बड़ी संख्या में आए एप्पल खरीदारों के साथ सेल्फी ली। उन्होंने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) वित्तीय, कला और मनोरंजन जिले में स्थित एप्पल बीकेसी में जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में ग्राहकों का स्वागत किया। मुंबई में नए एप्पल फ्लैगशिप रिटेल स्टोर, उसके बाद नई दिल्ली में एक और स्टोर आने वाले वर्ष में एप्पल के विकास को बढ़ावा देगा। रिटेल के एप्पल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डिएड्रे ओब्रायन ने कहा, एप्पल बीकेसी मुंबई की जीवंत संस्कृति का प्रतिबिंब है और कनेक्शन और समुदाय के लिए एक सुंदर, स्वागत योग्य स्थान में एप्पल के सर्वश्रेष्ठ को एक साथ लाता है। एप्पल बीकेसी मंगलवार से गर्मियों तक चलने वाली एप्पल सीरीज मुंबई राइजिंग में आज विशेष पेशकश करेगा। एप्पल बीकेसी को दुनिया में सबसे अधिक ऊर्जा-कुशल एप्पल स्टोर स्थानों में से एक के रूप में डिजाइन किया गया है। स्टोर परिचालन रूप से कार्बन न्यूट्रल है, जो 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा पर चल रहा है। प्रत्येक टाइल को लकड़ी के 408 टुकड़ों से बनाया गया है, जिसमें प्रति टाइल 31 मॉड्यूल हैं, जिसमें कुल 1,000 टाइलें हैं जो छत बनाती हैं। 450,000 से अधिक अलग-अलग लकड़ी के टुकड़े हैं, जो दिल्ली में इकट्ठे किए गए।

एप्पल बीकेसी में 100 से अधिक टीम सदस्य हैं, जो सामूहिक रूप से 20 से अधिक

देश में 2022-23 में 15 फीसदी बढ़ा यात्री वाहनों का निर्यात

मारुति सुजुकी इंडिया की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा, 2.5 लाख से अधिक इकाइयों का निर्यात किया

नई दिल्ली ।

देश से यात्री वाहनों का निर्यात वर्ष 2022-23 में 15 प्रतिशत बढ़कर 6,62,891 इकाई रहा। इसमें 2.5 लाख से अधिक इकाइयों का निर्यात करने वाली मारुति सुजुकी इंडिया की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है। उद्योग संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक 2022-23 में कुल यात्री वाहनों का निर्यात 6,62,891 इकाई रहा है जो 2021-22 में 5,77,875 इकाई था। आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में यात्री कारों का निर्यात दस प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,13,787 इकाई रहा। वहीं उपयोगी (यूटिलिटी) वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 2,47,493 इकाई रहा। हालांकि वैन का निर्यात घट गया और 2022-23 में यह 1,611 इकाई रहा जबकि 2021-22 में यह आंकड़ा 1,853 इकाई था। पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहन श्रेणी के निर्यात में सबसे बड़ी हिस्सेदारी मारुति सुजुकी इंडिया की रही। इसके बाद हुंदै मोटर इंडिया और किआ इंडिया का स्थान रहा।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी ने 2022-23 में 2,55,439 यात्री वाहनों का निर्यात किया जो 2020-21 में निर्यात किए गए 2,35,670 वाहनों से आठ प्रतिशत अधिक है। हुंदै मोटर इंडिया ने 1,53,019 वाहनों का निर्यात किया जो 2021-22 की 1,29,260 इकाइयों से 18 प्रतिशत अधिक है। किआ इंडिया ने 2022-23 में 85,756 वाहनों का निर्यात किया जबकि 2021-22 में उसने 50,864 इकाइयों का निर्यात किया था। निसान मोटर इंडिया ने 60,637 वाहनों का, रेनो इंडिया ने 34,956 वाहनों का; फॉक्सवैगन इंडिया ने 27,137 इकाइयों का निर्यात किया। होंडा कार्स ने 22,710 इकाइयों का जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 2022-23 में 10,622 इकाइयों का निर्यात किया। बीते वित्त वर्ष में भारत से वाहनों का कुल निर्यात 47,61,487 इकाई रहा है जो 2021-22 की 56,17,359 इकाइयों से 15 प्रतिशत कम है।

खाने के तेल की कीमतों में मिलाजुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में सुधार के रुख के बीच स्थानीय दिल्ली तेल तिलहन बाजार में खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में मिलाजुला रुख देखने को मिला। मांग कमजोर होने से जहां सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन कीमतों में गिरावट आई वहीं मलेशिया और शिकागो एक्सचेंज के मजबूत होने से सोयाबीन डीगम, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के साथ साथ बिनौला तेल कीमतों में मामूली सुधार देखने को मिला जबकि मूंगफली तेल तिलहन, सोयाबीन दिल्ली और सोयाबीन इंदौर तेल के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि मलेशिया एक्सचेंज में 2-2.5 प्रतिशत की तेजी है जबकि शिकागो एक्सचेंज में एक प्रतिशत की तेजी है।

सोमवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,095-5,190 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली 6,790-6,850 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,660 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली रिफाइंड तेल 2,535-2,800 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी 9,950 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी 1,590-1,660 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,590-1,710 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,780 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,500 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,000 रुपए प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला 8,600 रुपए प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,400 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,100 रुपए प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स कांडला 9,250 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना 5,355-5,405 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,105-5,205 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

नोएडा पावर को बिजली वितरण इकाइयों की सूची में 'ए' रेटिंग

नई दिल्ली ।

बिजली मंत्रालय की वित्त वर्ष 2021-22 के लिए जारी विद्युत वितरण कंपनियों की रैंकिंग में नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) ने ए रेटिंग हासिल की है। आरपी संजीव गोयनका समूह और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की संयुक्त उद्यम कंपनी एनपीसीएल ने एक बयान में कहा कि यह रेटिंग विभिन्न मानकों मसलन परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन, नियामक अनुपालन, ग्राहक सेवा और ऊर्जा दक्षता पर आधारित है। नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीआर कुमार ने कहा कि बिजली मंत्रालय से मिला यह सम्मान हमें और बेहतर प्रदर्शन करने तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में अपने उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने वाली सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। एनपीसीएल ग्रेटर नोएडा में बिजली वितरण करती है। बिजली मंत्रालय की 2021-22 की वितरण कंपनियों की उपभोक्ता सेवा रेटिंग शीर्षक से हाल में जारी रिपोर्ट में 70 वितरण कंपनियों को शामिल किया गया है।

इसमें 12 वितरण कंपनियां शामिल नहीं हुई। यानी कुल 58 वितरण कंपनियों में से नौ को 'ए' रेटिंग दी गई है।

राजस्थान रॉयल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा लखनऊ सुपरजाइंट्स को

जयपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अब तक उतार-चढ़ाव वाला प्रदर्शन करने वाली लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को अगर जीत की राह पर लौटना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लखनऊ की टीम ने अभी तक तीन मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन उसके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में लखनऊ की टीम बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी जिससे आखिर में वह 10 से 15 रन कम बना पाई।

कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंदों पर 74 रन बनाकर फॉर्म ने वापसी की जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। उसके बल्लेबाजों को हालांकि बीच के ओवरों में रन बनाने पर ध्यान देना होगा। लखनऊ के पास काइल मायर्स, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस के रूप में अच्छे पावर हिटर हैं लेकिन उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी नहीं निभा पा रहे हैं। इसके अलावा दीपक हुड्डा का रन नहीं बना पाना भी टीम के लिए चिंता का विषय है। पंजाब के खिलाफ लखनऊ में प्रतिभाशाली रवि बिश्नोई को देर से गेंद सौंपने की गलती की। बिश्नोई अपनी गुगली से बल्लेबाजों को गच्चा देने में माहिर हैं और कप्तान राहुल को डेथ ओवरों की बजाय बीच के ओवरों में उनका इस्तेमाल करना चाहिए। टीम के दो अन्य स्पिनर कृष्णप्पा गौतम और क्रुणाल पंड्या अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

मार्क वुड और आवेश खान के रुप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। पंजाब के खिलाफ युद्धवीर सिंह चरक ने भी अपना प्रभाव छोड़ा। लखनऊ के लिए हालांकि राजस्थान से पार पाना आसान नहीं होगा जिसने लगातार तीन मैचों में जीत दर्ज करके अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। राजस्थान के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है जिसमें यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और संजू सैमसन ने टीम के शीर्ष क्रम में बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। बटलर ने

अभी तक टीम की तरफ से सर्वाधिक 204 रन बनाए हैं जबकि जायसवाल के नाम पर 136 रन दर्ज हैं।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में यह दोनों सलामी बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और ऐसे में कप्तान सैमसन और वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा कर टीम को जीत दिलाई थी। देवदत्त पडिक्कल ने भी आक्रामक पारी खेली लेकिन रियान पराग मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे। राजस्थान का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है जिसमें युजवेंद्र चहल, एडम जंपा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दुनिया के नामी स्पिनर शामिल हैं। उसके पास ट्रेंट बौल्ट जैसा मारक तेज गेंदबाज है जबकि संदीप शर्मा अपने अनुभव का अच्छा उपयोग कर रहे हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जायंट्स: केएल राहुल (कप्तान), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम ज़म्पा।

जोकोविच का बांजा लूका में पहला मुकाबला एशचे से

बांजा लूका (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच गत सप्ताह मोंटे कार्लो मास्टर्स में मिली हार से उबरकर अब बांजा लूका जीत दर्ज करना चाहते हैं। जोकोविच को इस टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता मिली है। जोकोविच का पहला मुकाबला यहां फ्रांस के लूका वान एशचे के खिलाफ होगा। एशचे ने विश्व में तीसरी वरीयता प्राप्त स्टेनिस्लास वावरिंका को 1-6, 7-6(4), 6-4 से हराया है।

मोंटो कार्लो में मुसेटी से हारने के बाद भी जोकोविच के लिए यह सत्र अच्छा रहा है। उनका इस सत्र में हार और जीत का रिकार्ड 16-2 है। उन्होंने एडिलेड और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खिताब जीते हैं। एटीपी टूर पर 93 बार खिताब जीत चुके जोकोविच यदि इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचते हैं तो वह 1050 टूर लेवल मैच जीत लेंगे। ओपन युग में केवल चार खिलाड़ियों के नाम ही यह उपलब्धि है। इसमें जिमी कोनर्स (1,274), रोजर फेडरर (1,251), राफेल नडाल (1,068) और इवान लैंडल(1,068) शामिल हैं। इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें बोस्निया का माहौल पसंद है। वह दशक से अधिक समय बाद इस देश में आर रहे हैं। जोकोविच ने कहा, यहाँ आना अच्छा लगता है। मैं बांजा लूका में पहले भी कई बार आ चुका हूं। एक बार राष्ट्रपति से मिलने और मेडल ऑफ ऑनर प्राप्त करने तथा दूसरी बार 2009 में, मैंने तब विक्टर ट्रोइकी के साथ एक इंडोर केंद्र में प्रदर्शनी मैच खेला था। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे ये यात्राएं अच्छी तरह याद हैं। गत दिवस अभ्यास के दौरान यह स्पष्ट था कि उन्होंने स्थानीय दर्शकों को खुश कर दिया है जो उन्हें देखने आये थे।

कैपिटल्स के पास अब भी वापसी का अवसर : गांगुली

बेंगलुरू (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने अपनी टीम का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि उसे पांच मैचों में मिली हार से उबरकर बचे हुए नौ मैच जीतने पर ध्यान देना चाहिये। गांगुली के अनुसार टीम अब भी जीत के साथ ही वापसी कर सकती है। दिल्ली को अपने पिछले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसी के साथ ही टीम अंकतालिका में सबसे नीचे खिसक गयी है।

गांगुली ने एक वीडियो में कहा कहा, हमें हार को पीछे छोड़ने की जरूरत है। कप्तान पर ही आधारित न रह, एक दूसरे के साथ सहयोग कर हम अगले मैच में नए सिरे से वापसी करेंगे। हम अब ओर नीचे नहीं जा सकते बल्कि ऊपर ही आ सकते हैं। अभी भी 9 मैच बचे हैं जिनमें हम जीत हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करते हैं या क्वालीफाई नहीं करते हैं, इस स्तर पर यह हमारे लिए इतना मायने नहीं रखता है पर आइए अंदर देखें, अपने लिए खेलें, अपने गौरव के लिए खेलें और देखें कि क्या हम वहां पहुंच सकते हैं।

गांगुली ने टीम से यह भी कहा कि परिणाम जो दिखाते हैं, टीम उससे कहीं अच्छी है। उन्होंने कहा, अभी मैदान पर जो कुछ हो रहा है, हम उससे कहीं बेहतर टीम हैं। बस एक मैच रुख बदल सकता है। जिसमें हम सफल भी रहेंगे। साथ ही कहा कि कप्तान डेविड वार्नर पर भरोसा कायम रखें। टीम एकजुट होकर कप्तान के साथ मिलकर वापसी करे।

अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से जीत रही रॉयल्स: बोल्ट

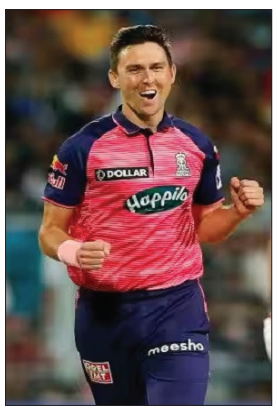

अहमदाबाद (एजेंसी)। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के अनुसार इस बार आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की सफलता का रहस्य अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों का टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना रहा है। बोल्ट ने कहा कि यह टीम का सकारात्मक पक्ष भी रहा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में एक समय लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम मुश्किल स्थिति में थी पर ऐसे में कप्तान संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर ने अर्धशतक लगाकर उसे संभाला।

बोल्ट ने कहा, '' हमारी टीम में कुछ बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और मुझे लगता है कि असली सकारात्मक यह है कि अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों ने टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। '' इस तेज गेंदबाज ने कहा, '' जोस बटलर हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी है। इस मैच में उनके विफल होने पर अन्य खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी।

बोल्ट ने कहा, ''कप्तान सैमसन ने गुजरात के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान कठिन हालातों में बहुत दबाव झेला। उसने खेल को आगे बढ़ाने का प्रयास किया और टीम को वापसी करायी। उसे इस दौरान दूसरे खिलाड़ियों का अच्छा साथ मिला।''उन्होंने बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने के लिए स्पिनर आर अश्विन, युजवेंद्र चहल और एडम जम्पा के साथ ही तेज गेंदबाज संदीप शर्मा के पदर्शन को भी सराहा। बोल्ट ने कहा, '' स्पिनरों के कारण हम मैच में वापसी करने में सफल रहे। आईपीएल में इस बार राजस्थान रॉयल्स अंक तालिका में शीर्ष पर है।

अगले साल भी आईपीएल खेल सकते हैं धोनी : मोईन

मुंबई (एजेंसी)। सुरेश रैना और कई अन्य क्रिकेटरों के बाद अब इंग्लैंड के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोईन अली ने भी कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले साल भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। मोईन के अनुसार धोनी अभी फिट हैं और वह अगले साल भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं अटकलें हैं कि 40 की उम्र के धोनी इस सत्र के बाद आईपीएल को भी अलविदा कह देंगे। धोनी अब भी अपनी बल्लेबाजी, विकेटकीपिंग और कप्तानी से छाये हुए हैं और युवाओं को भी टक्कर देते नजर आते हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया था। मोईन ने कहा, ''वह निश्चित रूप से अगले साल खेल सकते हैं।'' इस ऑलराउंडर ने कहा, ''जिस तरह से वह खेल रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी उन्हें इससे रोकेगी। वह अगले दो या तीन साल तक और खेल सकते हैं।'' राजस्थान के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी देख कर मुझे हैरानी नहीं हुई थी। मैं उन्हें नेट सत्र में देखता हूं और वह काफी अच्छी बल्लेबाजी करते नजर आते हैं।' वह काफी फिट और जुनून से खेलते नजर आते हैं।

अर्जेंटीना 2023 में फीफा अंडर 20 विश्व कप की करेगा मेजबानी

जेनेवा । अर्जेंटीना, इंडोनेशिया के स्थान पर फीफा 2023 अंडर-20 विश्व कप की मेजबानी करेगा। इंडोनेशिया को फीफा ने इसकी मेजबानी करने से हटा दिया है। विश्व फुटबॉल शासी निकाय ने यह घोषणा की। फीफा परिषद के ब्यूरो ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) द्वारा बाद की बोली प्रस्तुत करने के बाद अपने फैसले की पुष्टि की और फीफा प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह दक्षिण अमेरिकी देश का निरीक्षण भी किया था। फीफा अंडर-20 विश्व कप 20 मई से 11 जून तक शुरू होगा और ऐसा पहली बार होगा जब अर्जेंटीना 2001 के बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। फीफा अंडर-20 विश्व कप का आधिकारिक ड्रॉ 21 अप्रैल को ज्यूरिख में फीफा के मुख्यालय में होगा।

गरीब क्रिकेटरों के लिए होस्टल बना रहे रिंकू

नई दिल्ली । बेहद कठिन हालातों के बीच निकलकर क्रिकेट में नाम कमाने वाले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह अब उभरते हुए गरीब क्रिकेटरों की सहायता के लिए एक होस्टल बना रहे हैं। रिंकू के इस होस्टल में वे युवा क्रिकेटर रह सकेंगे जो बाहर रहने का खर्च नहीं उठा सकते। रिंकू ये होस्टल अलीगढ़ में बनवा रहे हैं। रिंकू के बचपन के कोच मसूदज जफर अमिनी ने कहा, वह हमेशा ऐसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक हॉस्टल बनाना चाहता था, जिनके पास अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए पैसे नहीं थे। अब रिंकू आर्थिक रूप से मजबूत हो गया है। इसलिए उसने आर्थिक तंगी से गुजरने वाले युवाओं के सपने को पूरा करने का फैसला किया है। इस हॉस्टल में 14 कमरे रहेंगे। इसके हर कमरे में 4 खिलाड़ियों के रहने की सुविधा रहेगी। साथ ही साथ ही इसमें एक शेड और मंडप भी बनाया जा रहा है। अलग वॉशरूम भी बन रहे हैं। कैंटीन की व्यवस्था भी अंदर ही की जा रही है। इस पर करीब 50 लाख रुपए खर्च होंगे और ये पूरा खर्च रिंकू द्वारा उठाया जा रहा है। रिंकू ने केकेआर में शामिल होने से पहले लगभग तीन महीने पहले इसका काम शुरू कराया था। इस हॉस्टल का करीब 90 फीसदी काम पूरा हो है। अगले महीने तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। रिंकू जैसे ही आईपीएल से लौटेंगे तो इसका उद्घाटन करेंगे।

न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में पाक को 4 रनों से हराया

लाहौर (एजेंसी)। यहां के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गये तीसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 4 रनों से हरा दिया। इस मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने टॉम लैथम के अर्धशतक 64 रनों और गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से यह जीत हासिल की। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 159 रन ही बना पायी। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ ही सीरीज जीतने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है। मेजबान टीम इस समय 2-1 से आगे है। इस मैच में जीत के लिए 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एडम मिलने ने कप्तान बाबर आजम

को एक रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोहम्मद रिजवान भी 6 रन बनाकर आउट हो गये। पाक की आधी टीम 55 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद फखर जमान 17, साएम अय्यूब 10 और इमाद वसीम 3 रन बनाकर कीवी गेंदबाजों का शिकार बने।

इसके बाद शाहीन अफरीदी 6 रन और शादाब खान 16 रन पर पेवेलियन लौटे। इफ्तिखार अहमद ने 60 और फहीम अशरफ ने 27 रन बनाये। इन दोनो ने ही आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करके पाका को संभालने का प्रयास किया। इसके बाद मैट हेनरी ने अशरफ को मिचेल के हाथों कैच आउट कराकर पाक की उम्मीदें तोड़ दीं। पाक को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन की जरुरत थी पर उसके अंतिम दो बल्लेबाज से रन नहीं बना पाये।

लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त दी

लीड्स। लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में पिछले पांच मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 7-0 से करारी शिकस्त देने के बाद पिछले छह सप्ताह में प्रीमियर लीग में कोई मैच नहीं जीता था। कोडी जोकपा ने लिवरपूल की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद मोहम्मद सालाह और डिएगो जोटा ने दो-दो गोल दागे। स्थानापन्न खिलाड़ी डार्विन नुनेज ने टीम की तरफ से छठा और अंतिम गोल किया। लिवरपूल ने चार गोल दूसरे हाफ में किए। लीड्स के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के शुरू में लुइस सिनिस्टरा ने किया। लिवरपूल के इस जीत से 31 मैचों में 47 अंक हो गए हैं और वाह आठवें स्थान पर बना हुआ है। लीड्स 16वें स्थान पर है। उसके 31 मैचों में 29 अंक हैं।

लखनऊ सुपरजायंटस और सीएसके मैच अब तीन मई को होगा

-निकाय चुनावों के कारण हुआ बदलाव

लखनऊ । आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंटस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होने वाले मैच का कार्यक्रम बदल गया है। अब ये मैच इकाना स्टेडियम में चार मई की जगह एक दिन पहले तीन मई को खेला जाएगा। यह बदलाव नगर निकाय चुनावों को देखते हुए किया जा रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार ये मैच चार मई को तय था पर लखनऊ में नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान के चलते इस मैच को बदलना पड़ा। इस बात को लेकर पहले ही अटकलें लगायी जा रहीं थी जो सही निकली हैं। सोमवार देर रात इस मैच का नया कार्यक्रम जारी होने से क्रिकेट प्रेमियों के बीच संशय हट गया। इस मैच को लेकर दर्शक बेहद उत्साहित हैं। इस मैच को लेकर लखनऊ के क्रिकेट प्रशंसक उत्साहित हैं क्योंकि इस मैच में उन्हें महेन्द्र सिंह धोनी को भी देखने का अवसर मिलेगा। यह मैच दोपहर 3-30 बजे से खेला जाएगा। धोनी को पहली बार लखनऊ में चौके छक्के लगाते हुए लोग करीब से देखना चाहते हैं। इस मैच के टिकट पेटीएम इनसाइडर से ऑनलाइन बुक किये जा सकते हैं। इसके अलावा कई ओर स्थलों से भी इन टिकटों को ऑनलाइन बुक किया जा सकता है।

मैक्सवेल ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने छोटी बाउंड्री का फायदा उठाया

बेंगलुरु। (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल का मानना है सोमवार को उनकी टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने छोटी बाउंड्री का फायदा उठाया। चेन्नई सुपर किंग्स ने बड़े स्कोर वाले इस मैच को आठ रन से जीता। चेन्नई ने बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ने इस मैच में अहम योगदान दिया। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (45 गेंदों में 83 रन), मध्यक्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे (27 रन पर 52 रन) और मोईन अली (नौ गेंद पर नाबाद 19 रन) की आक्रामक पारियों से टीम छह विकेट पर 226 रन बनाने में सफल रही। आरसीबी की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 218 रन ही बना सकी।

इस मैच में 36 गेंद में 76 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलने वाले मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि छोटी सीमा रेखा (चिन्नास्वामी स्टेडियम में) का फायदा उनके वामहस्त बल्लेबाजों को हुआ। डेवोन कॉनवे ने इस दौरान लंबी पारी खेली।'' उन्होंने बायें हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद से गेंदबाजी नहीं कराने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, '' मुझे लगता है कि शाहबाज अहमद के लिए उन बल्लेबाजों (बायें हाथ के बल्लेबाज) के सामने गेंदबाजी करना जोखिम भरा होता।'' मैक्सवेल ने कप्तान फाफ डु प्लेसी (33 गेंद में 62 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिये 126 रन जोड़कर जीत की उम्मीद जगा दी थी लेकिन दो ओवर के अंदर दोनों के आउट होने से मैच का रूख चेन्नई की तरफ मुड़ गया। मैक्सवेल ने कहा, '' हमने अच्छा प्रदर्शन किया और लक्ष्य के करीब पहुंचे। हम ऐसी स्थिति में थे जहां से मैच जीत सकते थे।

आरसीबी को दोहरा झटका, हार के साथ ही विराट पर लगा जुर्माना

बेंगलुरु (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में दोहरा झटका लगा है। इस मैच में आरसीबी टीम को जहां हार का सामना करना पड़। वहीं उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर आचार संहिता उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा है। विराट पर मैच के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के अनुसार कोहली को आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के नियमों का उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसका कारण ये है कि कोहली ने सीएसके के मध्यक्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे के आउट होने पर अति उत्साह में कुछ ज्यादा ही जश्न मना लिया जो आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। आईपीएल ने अपने एक बयान में कहा, ' विराट पर सीएसके के खिलाफ हुए मैच में आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा है। इसमें कहा गया है, 'कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल एक के अपराध को मान लिया है , इसलिए आगे सुनवाई की जरुरत नहीं है। इस मामले में मैच रैफरी का फैसला ही अंतिम होता है।

एशियाई खेलों से पहले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में कड़ी परीक्षा होगी : हरमनप्रीत

मुंबई (एजेंसी)। बेंगलुरू = भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस साल सितंबर अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चेन्नई में होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम की कड़ी परीक्षा होगी। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी तीन से 12 अगस्त तक आयोजित की जाएगी जो हांगझू में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए आदर्श टूर्नामेंट होगा। भारत एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा।

हरमनप्रीत ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' हमारी टीम में से अधिकतर खिलाड़ी पहली बार चेन्नई में खेलेंगे। मुझे याद है कि हमारे सीनियर खिलाड़ी 2007 में चेन्नई में खेले गए एशिया कप के बारे में बात किया करते थे जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा टूर्नामेंट रहा था।' उन्होंने कहा,'' यह टूर्नामेंट खुद को परखने के दृष्टिकोण से हमारे लिए बहुत अच्छा होगा क्योंकि हमें उन टीमों का सामना करना है जिनसे हम एशियाई खेलों में भिड़ेंगे। एशियाई खेलों से पहले यह टीम के लिए कड़ी परीक्षा होगी।'

हरमनप्रीत ने कहा,'' इससे हमें अपने विरोधियों को भी परखने का मौका मिलेगा जिससे हमें एशियाई खेलों की अच्छी तरह से तैयारी कर पाएंगे जहां हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है।' भारत ने 2011 में पहली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। उसने 2016 में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था। इसके बाद 2018 में फाइनल मैच बारिश से प्रभावित रहा जिसके कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। ढाका में 2021 में खेले गए टूर्नामेंट में भारत तीसरे स्थान पर रहा था।

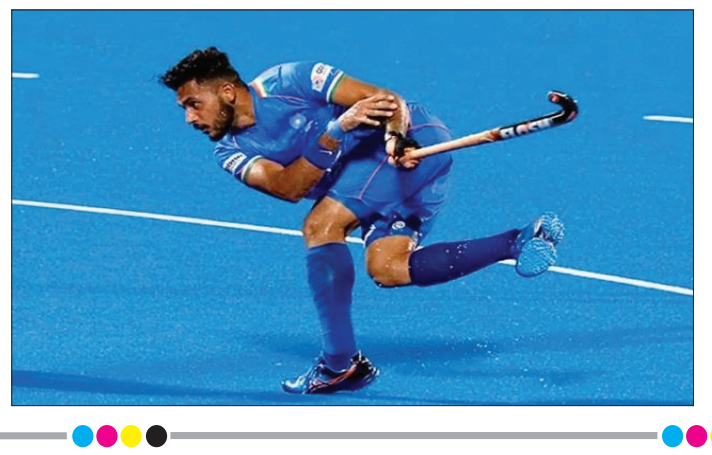

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूँकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर लें, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में वह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डालें। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती हैं, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती हैं। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहें। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएंगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूँजी भारी नुक्सान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

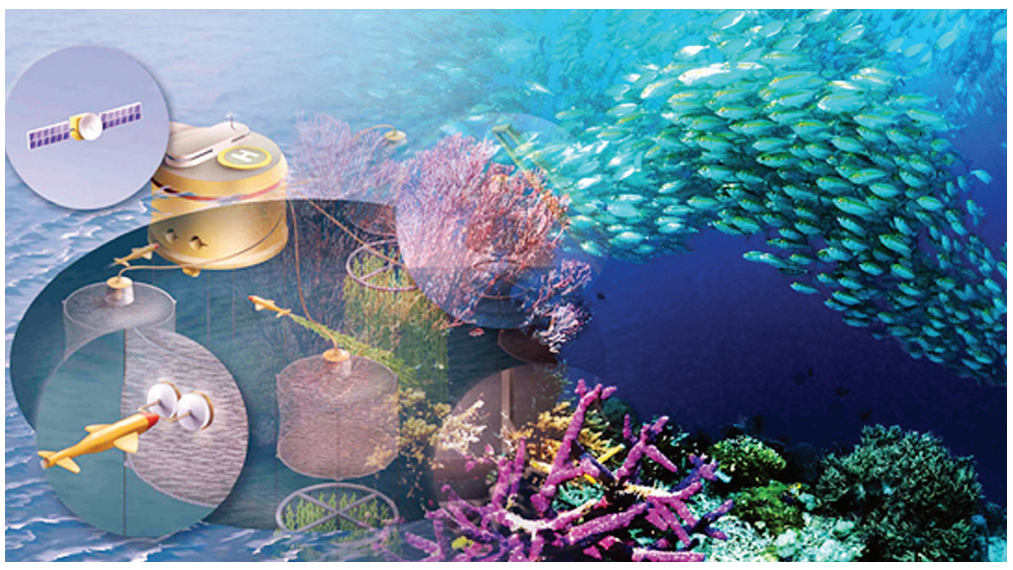

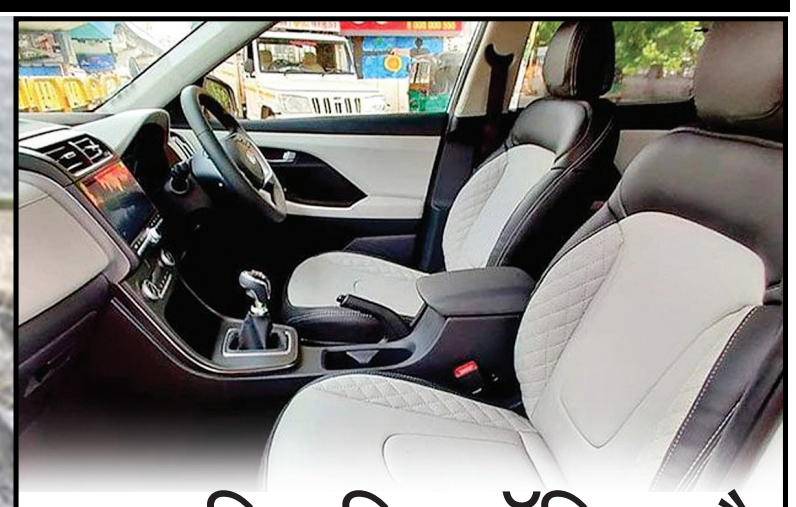

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्यूनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्त्व होता है

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

सप्लाई चेन मैनेजर
एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
प्लांट मैनेजर ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
परचेस मैनेजर फैसिलिटी मैनेजर
इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

स्वास्थ्य कॉर्पोरेट व्यवसाय
बहुराष्ट्रीय कंपनियां हॉस्पिटैलिटी
विनिर्माण और खुदरा वित्तीय संस्थाए
बीमा क्षेत्र सूचना प्रौद्योगिकी
ई-कॉमर्स वेयरहाउसिंग
निर्माण सलाहकारी फर्में

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान में भीषण भूस्खलन, कई ट्रक जमींदोज

पेशावर । उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में सीमावर्ती शहर तोरखम के समीप प्रमुख राजमार्ग पर भीषण भूस्खलन में कई ट्रक जमींदोज हो गए तथा कुछ लोग घायल हो गए। पुलिस और बचाव अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधिकारी इशरत खान ने बताया कि कई दमकलकर्मी और बचावकर्ता अफगानिस्तान सीमा के समीप हुए भूस्खलन से प्रभावित ट्रक चालकों और अन्य लोगों की जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। बारिश के बीच बिजली गिरने के कारण यह भूस्खलन हुआ। खान ने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पताल लाया गया है। जीवित लोगों को तलाश करने में स्वयंसेवक भी मदद कर रहे हैं। तोरखम सीमा क्रॉसिंग पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच व्यापार का एक प्रमुख मार्ग है, जहां भूस्खलनों से अक्सर राजमार्ग पर आवाजाही अवरुद्ध होती रहती है।

प्रसिद्ध भारतीय पर्वतारोही बलजीत कौर का नेपाल के माउंट अन्नपूर्णा में निधन

काठमांडू । रिकॉर्ड बनाने वाली भारतीय महिला पर्वतारोही बलजीत कौर की माउंट अन्नपूर्णा के कैंप-4 के पास चोटी से नीचे उतरते समय मौत हो गई। भारत के राजस्थान के किशनगढ़ के 34 वर्षीय एक अन्य भारतीय पर्वतारोही अनुराग मालू भी सोमवार को उसी पहाड़ में कैंप 3 से उतरते समय लगभग 6 हजार मीटर से नीचे गिरने के बाद लापता हो गए। मालू का ठिकाना अभी भी अज्ञात है, लेकिन उनके अभियान के आयोजक सेवन समिट ट्रेक्स ने कहा कि तलाशी अभियान जारी है। कौर ने नौ अप्रैल को ट्विटर पर एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अन्नपूर्णा के आधार शिविर में आराम कर रही हैं। 27 वर्षीय कौर ने असली माउंट मानसलू पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला और ऑक्सीजन के बिना माउंट मानसलू पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला और बिना ऑक्सीजन के माउंट मानसलू चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला का रिकॉर्ड तोड़ा। वह दुनिया में 8 हजार मीटर की 6 चोटियों पर चढ़ने वाली पहली भारतीय और दुनिया में 8 हजार मीटर की छह चोटियों (5 महीने 2 दिन) पर सबसे तेज चढ़ाई करने वाली भारतीय भी थीं। पायनियर एडवेंचर के चेयरमैन पसांग शेरपा ने कहा कि बलजीत की कैंप-4 के ऊपर से नीचे उतरते समय मौत हो गई, उन्होंने ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना चोटी को फतह कर लिया था। वह एक महीने से भी कम समय में 8 हजार मीटर की चार चोटियों को फतह करने वाली पहली भारतीय पर्वतारोही थीं। आयोजकों ने कहा कि उनके शव को आधार शिविर वापस लाने के प्रयास जारी हैं।

दक्षिण खेरसॉन क्षेत्र में रुसी बलों के कमान केंद्र पहुंचे पुतिन

मास्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के मुख्यालय का दौरा किया है। क्रेमलिन ने इसकी जानकारी दी है। बताया गया कि पुतिन दक्षिण खेरसॉन क्षेत्र में रूसी बलों के कमान केंद्र का दौरा कर रहे हैं। इसमें दिख रहा है कि पुतिन शीर्ष सैन्य अधिकारियों से रिपोर्ट ले रहे हैं। इसके बाद वह लुहांस्क क्षेत्र में स्थिति की जानकारी लेने के लिए हेलीकॉप्टर से वहां स्थित 'रशियन नेशनल गार्ड' के मुख्यालय के लिए रवाना हुए। रूस ने पिछले साल सितंबर में खेरसॉन और लुहांस्क के साथ-साथ जापोरिज्जिया क्षेत्रों को अपने देश में मिला लिया था लेकिन अधिकतर देशों ने इस अवैध करार दिया था। क्रेमलिन की ओर से जारी वीडियो को स्वतंत्र रूप से सत्यापित करना नामुमकिन है। यूक्रेन में रूस द्वारा कब्जाए गए क्षेत्र में यह पुतिन का दूसरा दौरा है।

कुवैत के युवराज अल जाबीर ने संसद को भंग किया

दुबई । कुवैत के युवराज ने देश की संसद को भंग कर नए चुनाव कराने का आदेश दिया है। इससे पहले 2020 में संसद भंग करने के फैसले को एक अदालत ने खारिज कर दिया था। युवराज शेख मिशाल अल अहमद अल जाबीर ने यह ऐलान किया। अल जाबीर ने फैसले को कुवैत के लोगों की ख्वाहिश बताया है। चुनाव अगले दो महीने के अंदर होने हैं। मार्च में कुवैत की एक संवैधानिक अदालत ने 2020 में संसद भंग करने के आदेश में ''विसंगतियों'' का हवाला देकर संसद के लिए 2022 में हुए चुनाव को अमान्य करार दिया था। उसने कुछ समय के लिए संसद को बहाल कर दिया था। कुवैत में संसद है लेकिन यहां राजनीतिक ताकत मुख्य रूप से देश पर शासन करने वाले अल सबाह परिवार के पास है। वे ही प्रधानमंत्री और कैबिनेट को नियुक्त करते हैं और संसद को कभी भी भंग कर सकते हैं।

अमेरिका में 85 वर्षीय श्वेत ने अश्वेत किशोर को गोली मारी, जताया विरोध

शिकागो। अमेरिका के मिसौरी राज्य के कैनसस सिटी में पिछले सप्ताह 85 वर्षीय एक श्वेत व्यक्ति पर एक अश्वेत किशोर को गोली मारने का आरोप लगाया गया है। क्ले काउंटी के अभियोजन अटार्नी जाचरी थॉम्पसन ने यह बात कही। प्राप्त समाचारों के अनुसार थॉम्पसन ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एंड्रयू लेस्टर ने उत्तरी कैनसस सिटी के पड़ोस में गुरुवार रात 16 वर्षीय राल्फ यारल को गोली मार दी। यारल को उसके जुड़वां छोटे भाइयों को लेने के लिए भेजा गया था। वह गलत घर के पास पहुंचा और दरवाजे की घंटी बजाई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि लेस्टर ने दरवाजे पर आकर यारल के सिर में गोली मार दी। घायल यारल को रविवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वह घर पर स्वास्थ्य लाभ कर रहा है। कैनसस सिटी के पुलिस प्रमुख स्टेसी ग्रेव्स ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लेस्टर को गुरुवार को हिरासत में ले लिया गया था, लेकिन अभियोजक के कार्यालय से परामर्श के बाद अगले दिन उसे रिहा कर दिया गया। उसके घर से वारदात में इस्तेमाल हथियार मिला है। घटना के विरोध में रविवार को कैनसस सिटी में विरोध प्रदर्शन किया गया।

सूडान में संघर्ष जारी, अब तक 180 मौत

खार्तूम । सूडान के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि ने कहा कि देश के शीर्ष दो जनरल के प्रति वफादार सैन्य बलों के बीच लड़ाई में 180 से अधिक लोग मारे गए हैं। देश में लगातार तीसरे दिन भी सेना और एक शक्तिशाली अर्द्धसैनिक बल के बीच संघर्ष जारी रहा। देश की राजधानी खार्तूम और इसके निकटवर्ती शहर ओमडर्मन में हवाई हमले और गोलाबारी तेज हो गई है। सैन्य मुख्यालय के पास लगातार गोलाबारी होने की आवाज सुनाई दी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि वोल्कर पर्थेस ने कहा कि शनिवार को शुरू हुए संघर्ष में अब तक 1,800 से अधिक लोग घायल हुए हैं। संघर्ष में हताहतों की संख्या पर नजर रख रहे लोकतंत्र समर्थक समूह सूडान डॉक्टर्स सिंडिकेट ने इससे पहले बताया था कि अब तक 97 लोग मारे गए हैं। इस बीच हिंसा समाप्त करने के लिए सूडान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री, संयुक्त राष्ट्र महासचिव, यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख, अरब लीग के प्रमुख और अफ्रीकी संघ आयोग के प्रमुख सहित शीर्ष राजनयिकों ने दोनों पक्षों से लड़ाई बंद करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि वह अरब लीग, अफ्रीकी संघ और क्षेत्र के नेताओं के साथ बात कर रहे हैं तथा संघर्ष खत्म करने के लिए आग्रह कर रहे हैं।

तलाक को सेलिब्रेट करने निकला युवक

लंदन । 58 साल के एंगल कैनेडी ब्रिटेन में रहते हैं। पति पत्नी के बीच 23 साल तक का आत्मीय रिश्ता बना रहा। उसके बाद रिश्तो में तल्खी आई। इसके बाद दंपति ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद एंगल कैनेडी अपनी कार लेकर तलाक को सेलिब्रेट करने के लिए यहां से वहां घूम रहे हैं। उनका कहना है, कि वह अपनी सिंगलहुड को सेलिब्रेट करने के लिए देश भर का भ्रमण करेंगे। वह लोगों को दिखाना चाहते हैं, कि तलाक भी खुशी का विषय हो सकता है।

खारतूम में हवाई अड्डे पर लगी आग के बाद उठता हुआ धूआं।

पेंशन बिल के खिलाफ फ्रांस में उठी विद्रोह की चिंगारी, जनता हुई हिंसक

पेरिस । फ्रांस में दिन दिनों जनता पेंशल बिल के खिलाफ सड़कों पर उतर आई है। जगह- जगह आगजनी, हिंसा हो रही है। इस तरह से दुनिया का एक मुल्क इन दिनों इतिहास के विद्रोह की सबसे बड़ी आग में धधक रहा है। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद यह विद्रोह और धधक उठा है। फ्रांस में पिछले तीन महीने से पेंशन बिल के खिलाफ जनता का जबरदस्त प्रदर्शन हो रहा है। फ्रांस में पेंशन बिल को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिल गई है और इसके बाद फ्रांस के 200 शहरों में एक साथ प्रदर्शन हुए हैं। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि मैक्रों का यह फैसला उनके राजनीतिक कैरियर के लिए एक बुरा सपना साबित होगा या फिर फ्रांस में हालात सामान्य हो जाएंगे। फ्रांस 3 महीने से जल रहा है। फ्रांस के इतिहास में इतना बड़ा विद्रोह पहले कभी नहीं हुआ। जिस देश के बारे में कहा जाता है कि उसका सूरज कभी अस्त नहीं होता, आज उस मुल्क का मुस्तकबिल अंधकार में नजर आ रहा है। पेंशन बिल के खिलाफ फ्रांस में ऐसा विद्रोह जारी है कि जिसने पूरे फ्रेंच सिस्टम से लेकर एडमिनिस्ट्रेशन को हिला कर रख दिया है। जैसे ही फ्रांस की सर्वोच्च अदालत ने सरकार के रिटायरमेंट बिल बढ़ाने वाले फैसले को मंजूरी दी। फ्रांस में विद्रोह की आग एक बार फिर धधक उठी। पेरिस में सड़कों पर जगह-जगह आगजनी की तस्वीरें सामने आई। एक शहर में भीड़ ने पुलिस स्टेशन को ही फूंक डाला। कोर्ट के फैसले के बाद पेरिस समेत 200 शहरों में हिंसा बढ़ गई। रेनन्स शहर में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। पेरिस में पुलिस ने 112 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। पेरिस सिटी हॉल के बाहर सरकार के खिलाफ नारेबाजी हुई। गुस्साई भीड़ ने बैस्टल स्क्वायर के बाहर आगजनी की।

ग्लोबल लीडर बनने की फिराक में जिनपिंग, अब चीन कराएगा इजरायल और फिलिस्तीन में दोस्ती

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने सऊदी अरब और ईरान के बीच वार्ता की मेजबानी करके वैश्विक मामलों में और बड़ी भूमिका निभाने की मंशा का संकेत तो पहले ही दे दिया था। अब अमेरिका की जगह लेने की छटपटाहट लिए चीन एक और बड़े संघर्ष वाले मुद्दे को सुलझाने के प्रयास की ओर कदम बढ़ाता नजर आ रहा है। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच का विवाद दशकों पुराना है। अब चीनी विदेश मंत्री किन गैंग ने फिलिस्तीन और इज़राइल के अपने समकक्षों से कहा है कि ईरान और सऊदी अरब को कई वर्षों के बाद संबंधों को फिर से एक साथ लाने में अपनी भूमिका के बाद बीजिंग उनके

बीच शांति वार्ता के लिए तैयार है।

विदेश मंत्री किन ने फ़िलिस्तीनी विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी और उनके इस्राइली समकक्ष एली कोहेन के साथ अलग-अलग फोन कॉल पर बात की है। इस दौरान उन्होंने शांति वार्ता फिर से शुरू करने के कदम को लेकर भी चर्चा की है। आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार किन ने कहा है कि चीन इजरायल और फिलिस्तीन दोनों को राजनीतिक साहस दिखाने और शांति वार्ता फिर से शुरू करने के लिए कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है और चीन इसके लिए मध्यस्थत बनने को भी तैयार है।

किन ने कोहेन से कहा कि सभी पक्षों को शांति और संयम बनाए रखना चाहिए और अत्यधिक और उत्तेजक शब्दों और कार्यों को रोकना चाहिए। मूल तरीका शांति वार्ता को फिर से शुरू करना और टू नेशन सॉल्यूशन पर ध्यान देना चाहिए। किन ने मलिकी से कहा कि चीन मध्य पूर्वी देशों की रणनीतिक स्वायत्तता का समर्थन करता है और वो मध्य पूर्व में शांति और स्थिरता में योगदान जारी रखने को तैयार है।

ड्रैगन के उड़ जाएंगे होश, आर-पार के मूड में है ताइवान, खरीदेगा 400 अमेरिकी एंटी-शिप मिसाइल

बीजिंग (एजेंसी)। चीन और ताइवान में बीच तनाव हर गुजरते दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा है। ड्रैगन की ओर से सैटलाइट छोड़े जाने के कारण उत्तरी ताइपे में उड़ानों में देरी की खबर सामने आई। वहीं ताइवान मुद्दे पर चीन ने अमेरिका को धमकी दी है। अब ड्रैगन की हरकतों से परेशान ताइवान भी आर-पार के मूड में नजर आ रहा है। उसने अमेरिकी हथियारों को लेकर एक बड़ी डील की है। ताइवान 400 से अधिक अमेरिकी एंटी शिप हार्पून मिसाइलें खरीदेगा।

ब्लूमबर्ग न्यूज ने एक व्यापार समूह के नेता और इस मुद्दे से परिचित लोगों के हवाले से बताया है कि ताइवान चीन से बढ़ते खतरे के मद्देनजर 400 से अधिक अमेरिकी भूमि-लॉन्च हार्पून मिसाइल खरीदेगा। पेंटागन ने खरीदार का नाम लिए बिना 7 अप्रैल को 400 एंटी-शिप मिसाइलों के लिए 1.17 बिलियन डॉलर के अनुबंध की घोषणा की और कहा कि उत्पादन मार्च 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है।

पेंटागन ने सौदे पर सीधे टिप्पणी

करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमता बनाए रखने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक रक्षा उपकरण और सेवाएं उपलब्ध कराता रहेगा। 2020 में ताइवान ने कहा था कि उसने अपने सैन्य आधुनिकीकरण के प्रयासों के तहत भूमि-आधारित बोइंग-निर्मित हार्पून एंटी-शिप मिसाइल खरीदने की योजना बनाई है। समाचार रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर, ताइवान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुन ली-फांग ने एक नियमित मीडिया सम्मेलन में कहा कि मंत्रालय ने पहले खरीद के बारे में जानकारी का खुलासा ये कहते हुए किया था कि यह 'आश्वस्त' था कि सौदा तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगा।

दुश्मनी भुलकर ईरान ने सऊदी अरब के किंग को किया आमत्रिंत

दुबई । करीब सात साल बाद दुनिया के दो सबसे बड़े शिया और सुन्नी देश अपनी दुश्मनी को भुलाकर औपचारिक रिश्तों की नई शुरुआत कर रहे हैं। पिछले माह चीन द्वारा मध्यस्थता के बाद रियाद द्वारा अपने राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब भी पहुंचा था। अब ईरान ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब के किंग को देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है। इससे पहले सऊदी अरब के किंग ईरान के राष्ट्रपति को रियाद की यात्रा के लिए आमंत्रित कर चुके हैं। सऊदी और ईरान अपनी-अपनी राजधानी और अन्य शहरों में राजनयिक मिशन को फिर से खोलने पर सहमत हो गए। ईरान की सरकारी मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ईरानी प्रतिनिधिमंडल ईरानी दूतावास का दौरा करने और दोनों देशों के बीच हालिया समझौते के अनुसार वाणिज्य दूतावास को फिर से खोलने के लिए रियाद पहुंचा। लंबे समय से मध्य पूर्व के प्रतिद्वंद्वियों ने अब एक साथ काम करने का संकल्प लिया है। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को सऊदी किंग सलमान द्वारा रियाद में आमंत्रित किया गया है। पिछले महीने बीजिंग में हुआ यह समझौता चीन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि खाड़ी देशों का मानना है कि अमेरिका धीरे-धीरे मध्य पूर्व से पीछे हट रहा है।

एलन मस्क अब एआई प्लेटफॉर्म 'ट्रूथजीपीटी' करेंगे लॉन्च

-नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से गूगल व माइक्रोसॉफ्ट को देंगे टक्कर

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी) अब अरबपति एलन मस्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट और गूगल को चुनौती देने के लिए एक एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च करेंगे। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में मस्क ने इस एआई प्लेटफॉर्म को 'ट्रूथजीपीटी' का नाम दिया है। एलन मस्क ने माइक्रोसॉफ्ट के समर्थन वाले ओपनएआई की आलोचना भी की। मस्क ने कहा कि 'चैटबॉट सनसनी चैटजीपीटी को तैयार करने वाली फर्म ने एआई को झूठ बोलने के लिए प्रशिक्षण दिया है और कहा कि ओपन एआई अब केवल मुनाफे के लिए 'क्लोज्ड सोर्स' वाला प्लेटफॉर्म हो गया है, जो माइक्रोसॉफ्ट के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा है।

एलन मस्क ने गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लेने का भी आरोप लगाया। फॉक्स न्यूज चैनल के टकर कार्लसन के साथ सोमवार को प्रसारित इंटरव्यू में मस्क ने कहा कि मैं कुछ ऐसा शुरू करने जा रहा हूं, जिसे मैं 'ट्रूथजीपीटी' या अधिकतम सत्य की खोज करने वाला एआई कहता हूं, जो ब्रह्मांड की प्रकृति को समझने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि ट्रुथजीपीटी सुरक्षा का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है. जिससे मनुष्यों का विनाश करने की संभावना नहीं होगी। मस्क ने कहा कि यह केवल देर से शुरू हो रहा है, लेकिन मैं तीसरा विकल्प बनाने की कोशिश करूंगा। इस पूरे मामले के जानकार लोगों ने बताया कि एलन मस्क ओपन एआई का एक नया प्रतिद्वंद्वी एआई स्टार्टअप शुरू करने के लिए गूगल से एआई के शोधकर्ताओं को अपने पास बुलाने के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं। एक सरकारी फाइलिंग के मुताबिक मस्क ने पिछले महीने नेवादा में एक्स.एआई कॉर्प नाम की एक फर्म को रजिस्टर्ड कराया था। फर्म में मस्क को एकमात्र डायरेक्टर के रूप में और मस्क के परिवार कार्यालय के प्रबंध निदेशक जेरेड बिर्चेल को सेक्रेटरी के रूप में दिखाया गया है।

6 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं करा सकेंगी महिलाएं

-फ्लोरिडा के गवर्नर ने बिल पर किए हस्ताक्षर

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसांटिस ने एक बिल पर सहमति दे दी है। इसके तहत फ्लोरिडा में महिलाएं 6 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं कर सकती हैं। इस विधेयक की कड़ी आलोचनाए हुईं। व्हाइट हाउस ने इस विधेयक को महिलाओं के लिए उचित नहीं ठहराया है। फ्लोरिडा में पेश किए गए बिल के मुताबिक महिलाएं 6 सप्ताह के बाद गर्भपात नहीं करा सकती हैं, वहीं दूसरी ओर यदि महिलाओं का स्वास्थ्य गर्भावस्था से खतरे में है तो महिलाएं केवल 15 सप्ताह से ज्यादा समय के बाद गर्भपात नहीं करा सकती हैं। इसी के साथ बिल में महिलाओं को यह भी छूट दी गई है कि यदि कोई महिला यौन उत्पीड़न का शिकार हो कर प्रेगनेंट हुई है तो ऐसी स्थिति में भी केवल 15 दिन के अंदर ही गर्भपात करा सकती है। व्हाइट हाउस ने इस कदम की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह बिल मौलिक स्वतंत्रता के खिलाफ है और कई अमेरिका के नागरिक इस बिल से सहमत नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने एक बयान में कहा, इस प्रतिबंध के कारण फ्लोरिडा की प्रजनन आयु वाली चार मिलियन महिलाएं प्रभावित होंगी, क्योंकि छह हफ्ते तक गर्भवती होने का पता चलना मुश्किल होता है। फ्लोरिडा के रिपब्लिकन-वर्चस्व वाली विधायिका ने 40 के मुकाबले 70 मतों के साथ इस बिल को पारित किया है। एक साल में यह दूसरी बार था जब फ्लोरिडा ने गर्भपात की अवधि में कटौती की है। अप्रैल 2022 में गर्वनर रॉन डीसांटिस ने फ्लोरिडा में गर्भपात करने के समय को कम किया था। उन्होंने अप्रैल में इसे 24 से घटाकर 15 सप्ताह कर दिया था। हालांकि इसमें भी यौन उत्पीड़न या अनाचार के लिए कोई अपवाद नहीं था। फ्लोरिडा में 6 सप्ताह के बाद गर्भपात प्रतिबंधित करने वाला बिल तब तक लागू नहीं होगा जब तक कि फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट 15 सप्ताह की सीमा के खिलाफ कई संघों द्वारा दायर अपील पर यह तर्क नहीं देता कि यह कानून राज्य गोपनीयता खंड का उल्लंघन करता है।

फिंगरप्रिंट से खुलेगी दुनिया की पहली स्मार्ट गन, जिसकी है वही चला सकेगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। बाजार में अब ऐसी स्मार्ट गन आ गई है जो फिंगरप्रिंट से ही खुलेगी अर्थात जिसकी है वही उस गन को चला सकेगा। अब तक दुनिया में तमाम अत्याधुनिक और घातक गन बाजार में आ चुकी हैं। लेकिन, सबके साथ सुरक्षा की एक चिंता रहती है कि अगर ये किसी क्रिमिनल या बच्चों के हाथ लग गए तो अनर्थ हो जाता था। अब इन चिंताओं को दूर करने वाली दुनिया की पहली स्मार्ट गन बाजार में आ गई है। इसमें इतने शानदार फीचर्स हैं कि अगर यह किसी के हाथ लग भी गई तो कोई चला नहीं सकेगा। क्योंकि यह फिंगरप्रिंट से ही खुलेगी। इसमें चेहरा पहचानने वाली तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया है। यानी बिना चेहरा पहचाने यह फायर ही नहीं करेगी। गन बनाने वाली फर्म बायोफायर के मुताबिक, यह अत्याधुनिक 9 एमएम हैंडगन है। जो सिर्फ अपने मालिक के इशारे पर ही चलती है। इस स्मार्ट गन को खास तरीके से डिजाइन किया गया है। इस पिस्टल में सिक्योरिटी कोड के साथ फिंगरप्रिंट सेंसर का इस्तेमाल किया गया है। एक विशेष रिंग पहनकर बंदूक को हाथ से पकड़ने पर सिक्योरिटी कोड अनलॉक हो जाएगा, जिसके बाद पिस्टल से फायर किया जा सकेगा। फर्म के मुताबिक इसकी कीमत 1,499 डॉलर रखी गई है। यह चेहरा पहचानने की तकनीक का इस्तेमाल करती है। सेंसर एक सेकेंड से भी कम समय में इसे अनलॉक कर देता है। उपयोग न हो तो तुरंत यह लॉक हो जाती है। फर्म का कहना है कि कोलोराडो में फिल्म 'द डार्क नाइट राइजेज' की स्क्रीनिंग के दौरान एक शूटर द्वारा 12 लोगों की हत्या करने के बाद हमें इस तरह का गन बनाने का ख्याल आया। अमेरिका में कई बच्चे गन से अपने लोगों को मौत के घाट उतार चुके हैं क्योंकि उनमें कोई सुरक्षा सिस्टम ही नहीं है। एक रिसर्च के अनुसार, 40प्र. से अधिक अमेरिकी बच्चों ने कहा कि वे दो घंटे के भीतर अपने माता-पिता की बंदूकें लेकर उससे फायर भी कर सकते हैं। इन घटनाओं को देखते हुए सुरक्षात्मक कदम उठाने आवश्यक हो गए थे।

ईद की छुट्टियों के दौरान इमरान खान पर हो सकता है बड़ा एक्शन, लाहौर हाई कोर्ट ने पुलिस को दिया ये बड़ा निर्देश

लाहौर (एजेंसी)। लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) ने मंगलवार को पंजाब पुलिस को पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान को राहत दी है। रोक कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि पूर्व प्रधानमंत्री के साथ कानून के अनुसार व्यवहार किया जाए। यह आदेश पांच सदस्यीय पीठ द्वारा जारी किए गए हैं। अदालत का फैसला इमरान की उस याचिका पर आया है जिसमें पंजाब में अधिकारियों को उनके जमान पार्क स्थित आवास पर पुलिस अभियान शुरू करने से रोकने या ÷अघोषित÷ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर उन्हें गिरफ्तार करने से रोकने की मांग की गई थी। बैरिस्टर सलमान सफदर और एडवोकेट अजहर सिद्दीकी द्वारा दायर याचिका की सुनवाई जस्टिस अली बकर नजफी, जस्टिस आलिया नीलम, जस्टिस तारिक सलीम शेख, जस्टिस अनवारुल हक पन्नून और जस्टिस मुहम्मद अमजद रफीक ने ये निर्णय दिया है।

कार्यवाही से पहले इमरान कोर्ट पहुंचे। पीटीआई प्रमुख कई गार्डों से घिरे नजर आए। आज सुनवाई की शुरुआत में इमरान के वकील सलमान सफदर ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल के खिलाफ एक के बाद एक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इमरान खान के खिलाफ सिर्फ पंजाब में 80 मामले दर्ज हैं। अदालतें पुलिस द्वारा अधिकार के गलत इस्तेमाल पर गौर कर सकती हैं और हम चाहते हैं कि बेंच इस मामले में भी ऐसा ही करे। इस पर जस्टिस नजफी ने कहा कि उन्होंने पहले भी जमान पार्क के बाहर के हालात पर नाराजगी जाहिर की थी। न्यायाधीश पिछले महीने इमरान के आवास के बाहर तीन दिन तक चली पुलिस कार्रवाई का जिक्र कर रहे थे। ऑपरेशन के परिणामस्वरूप अधिकारियों और पीटीआई समर्थकों के बीच हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें दर्जनों घायल हो गए। आज सुनवाई के दौरान पीटीआई प्रमुख के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को ईद की छुट्टियों के दौरान जमां पार्क के बाहर एक और ऑपरेशन के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिली है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूडान में फंसे कर्नाटक के 31 आदिवासी, कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा

बेंगलुरु । सूडान में शीर्ष दो जनरल के प्रति वफादार सैन्य बलों की लड़ाई में 180 से अधिक लोग मारे गए हैं। देश में लगातार तीसरे दिन भी सेना और शक्तिशाली बल के बीच संघर्ष जारी है। वहीं कर्नाटक के कम से कम 31 आदिवासी सूडान शहर अल फशेर में फंसे हुए हैं। 31 लोग हक्की पिक्की जनजाति के हैं, जो एक अर्ध-खानाबदोश आदिवासी समूह है। इस सप्ताह के अंत में संघर्ष शुरू होने के बाद से उनके पास पर्याप्त खाद्य आपूर्ति नहीं है। कर्नाटक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि विदेश मंत्रालय को सूडान में आदिवासियों की स्थिति के बारे में सूचित किया है और फंसे हुए लोगों से बाहर नहीं निकलने और देश में भारतीय दूतावास के निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। कांग्रेस ने मोदी सरकार और कर्नाटक के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। कांग्रेस की तरफ से बीजेपी सरकार को कन्नडिगा विरोधी करार देकर दावा किया कि वे सूडान में आदिवासियों को बचाने के लिए कदम नहीं उठा रहे हैं।

लंदन में तिरंगे का अपमान, जांच करेगी एनआईए

नई दिल्ली । लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने हुए प्रदर्शन मामले की जांच अब केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए करेगी। सूत्रों ने कहा कि एनआईए पिछले महीने लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने खालिस्तानी समर्थक विरोध प्रदर्शन की जांच करेगी। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने एनआईए को जांच की अनुमति दी है। प्रदर्शन मामले में पाकिस्तानी और खालिस्तानी समर्थकों से जुड़ी साजिश के इनपुट्स मिले हैं। मामले को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से एनआईए ने केस टेकओवर कर लिया है। एनआईए सूत्रों के अनुसार मामले में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई सहित खालिस्तानी आतंकियों की भूमिका देखने को मिली है, जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मामले में जांच को हरी झंडी मिली है। गृह मंत्रालय के आदेश पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की तरफ से खालिस्तानी और उनके समर्थकों के खिलाफ 24 मार्च को मुकदमा दर्ज किया गया था। लंदन में पूर्व के मिशन में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों को लेकर गृह मंत्रालय ने ब्रिटेन की सरकार से बात की है। विवरण के अनुसार, 5वें भारत-ब्रिटेन गृह मामलों के संवाद के दौरान दोनों देशों के मंत्रालयों के बीच खालिस्तानी गतिविधियों और विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा हुई। नई दिल्ली में आयोजित संवाद का नेतृत्व केंद्रीय गृह सचिव, अजय कुमार भल्ला ने किया, जबकि ब्रिटेन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्थायी सचिव, गृह कार्यालय, सर मैथ्यू रायक्रॉफ्ट ने किया।

मुख्यमंत्री योगी को जान से मरने की धमकी, पुलिस ने मामला दर्ज किया

बागपत । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोली मारने की धमकी संबंधी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि विवेचना के आधार पर कार्रवाई होगी। उसके अनुसार प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी बागपत का रहने वाला नहीं है। पुलिस के मुताबिक अमन रजा नामक एक व्यक्ति ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री को गोली मारने की धमकी से संबंधित संदेश डाला है। इस स्क्रीनशाट को टैग कर ट्विटर अकाउंट नितिन तोमर द्वारा मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक एवं अन्य अधिकारियों को ट्वीट किया गया। उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने मामले में कोतवाली में सूचना मुकदमा दर्ज कराया। बागपत पुलिस क्षेत्राधिकारी डी के शर्मा ने बताया कि अमन रजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की विवेचना के आधार पर कार्रवाई होगी। उनके अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया कि अमन रजा झारखंड का निवासी है।

छत्तीसगढ़ : सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, दो गिरफ्तारा

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मंगलवार को एक नक्सली को मार गिराया तथा दो नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि जिले के नैमेड थाना क्षेत्र में कचलावारी गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया तथा दो नक्सलियों को पकड़ लिया है। उन्होंने बताया कि नैमेड़ थाना क्षेत्र में भैरमगढ़ एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर रेडडी गांव स्थित शिविर से डीआरजी के दल को गश्त पर रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि दल जब आज सुबह लगभग आठ बजे कचलावारी गांव के जंगल में था तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उनके अनुसार सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की तथा कुछ देर तक दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी होने के बाद नक्सली वहां से भाग गए। वार्ष्णेय ने बताया पुलिस और नक्सलियों की बीच मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को पकड़ लिया जबकि घटनास्थल से एक नक्सली का शव बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार एक नक्सली घायल है उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कोविड-19 से संक्रमित हुए

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कोविड-19 वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इस्पात और नागरिक उड्डयन मंत्री ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। उन्होंने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि उनकी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने कहा, मैं पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए लोगों से सावधानी बरतने और अपना कोविड परीक्षण कराने का अनुरोध करता हूं। संक्रमण के कारण सिंधिया मंगलवार को मुंबई में इंडिया स्टील 2023 कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

पंजाब और दिल्ली पुलिस ने मोहाली में दी दबिश, भगोड़े अमृतपाल की मदद करने वाले दो साथी गिरफ्तार

नयी दिल्ली। खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब के मुखिया अमृतपाल सिंह के दो और करीबियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पंजाब के मोहाली के सेक्टर 89 से 2 लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों में एक महिला भी है। बताया जाता है कि पुलिस ने जिन दो लोगों को हिरासत में लिया है उन पर अमृतपाल को भगाने में मदद करने का आरोप है। दोनों ने उसे संसाधन उपलब्ध कराए थे। पकड़े गए दो लोगों में से एक का नाम गुरजंट सिंह और महिला का नाम निशा रानी बताया गया है। जानकारी के मुताबिक गुरजंट सिंह अमृतपाल सिंह का काफी करीबी है। इससे पहले बीते दिनों कट्टरपंथी उपदेशक और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के एक करीबी सहयोगी को यहां ने तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में अमृतपाल सिंह को पनाह देने और अन्य सहायता प्रदान करने के आरोप में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए जोगा सिंह को रविवार को एक अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा था कि लुधियाना निवासी और पीलीभीत में एक डेरा के प्रभारी जोगा सिंह को फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद से गिरफ्तार किया गया था, जब वह हरियाणा से पंजाब आया था। जोगा को अमृतसर पुलिस (ग्रामीण) और होशियारपुर पुलिस के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा था कि जोगा अमृतपाल के सीधे संपर्क में था।

कांग्रेसी नेता को कुर्सी से बांधकर घसीटा

विदिशा । विदिशा जिले के सिरोंज में प्रतिष्ठित कांग्रेस नेता अशोक जैन खर्चा के साथ मारपीट करने और घसीटे जाने की घटना का वीडियो वायरल हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनवर खान, बोहरबाड़ी के मुल्लाजी और उनके साथ एक हरी शर्ट वाले युवक ने अशोक जैन के साथ मारपीट की। उन्हें रस्सी से बांधकर घसीटा गया। इसी मारपीट के दौरान राकेश गोहिल नामक युवक भी पहुंचा,उसने भी अशोक के साथ मारपीट की। 60 वर्षीय कांग्रेस नेता ने वहां से छूटने के बाद पुलिस के पास पहुंचे। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई, पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेहद करीबी माने जाने वाले अशोक जैन खर्चा के साथ की गई मारपीट चर्चा का विषय बनी हुई है।

डबल इंजन सरकार ने यूपी का चित्र और चरित्र दोनों बदला: पीयूष गोयल

लखनऊ(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने यूपी का चित्र व चरित्र दोनों ही बदल दिया है। पीएम मोदी और सीएम योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के लिए कल्पना से बढ़कर कार्य किया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मंगलवार को पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान (पीएम मित्र) योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को लेकर आयोजित एमओयू के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में भेदभाव क्या होता है, उत्तर प्रदेश की जनता ठीक से जानती है। 2017 के पहले तक यूपी के लोगों ने इस भेदभाव को झेला है। आज जब डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है तो छह वर्षों में यूपी की बदली हुई तस्वीर हम सबके सामने है।

मंत्री ने कहा कि यूपी में बहुत सी सरकारें आई और गईं। सबने अपने राजनीतिक हितों को साधने का काम किया। कानून व्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर किसी भी राज्य में उद्योग लगाने की सबसे आवश्यक मांग है। उत्तर प्रदेश के विगत कुछ वर्षों में बहुत कार्य हुआ है। यही वजह है कि यूपी वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने की ओर आगे बढ़ चुका है। पीयूष गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट जैसा आयोजन कल्पना के बाहर था। देश और विदेश के निवेशक यूपी जीआईएस में होड़ लगाकर खड़े थे। यूपी जैसी प्रतिभा और मेहनत देश किसी अन्य राज्य में नहीं है। आने वाले दिनों में विकास की दिशा और यहां के लोगों की दशा बदलने वाली है।

केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री विक्रम जरदोश ने कहा कि हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट एक हुनर है, इसको ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे विश्वकर्मा का दर्जा दिया गया है। इस हुनर से सबसे ज्यादा महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इससे जुड़कर देश और उत्तर प्रदेश की महिलाएं सशक्त हो रही हैं। सीएम योगी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार इस क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। सीएम योगी से हमने बहुत कुछ सीखा है। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट का आधार यूपी की एक जिला एक उत्पाद योजना है। कार्यक्रम में अपर सचिव टेक्सटाइल, भारत सरकार रोहित कंसल और हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग, एमएसएमई, उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद के बीच एमओयू हस्तांतरित हुआ। निजी निवेशकों में आदित्य बिड़ला ग्रुप, मेसर्स जीएसएल स्पिनर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स अजुम डेनिम कार्ट एलएनपी, मेसर्स अभिकिम टेक्सटाइल लिमिटेड, मेसर्स एसवीएम, मेसर्स जोसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स एमएलके एक्सपोर्ट लिमिटेड और मेसर्स पाथ थ्रेड प्राइवेट लिमिटेड के बीच भी एमओयू हस्तांतरित हुए।

भाजपा को अपनी दूसरी मां मानते हैं और इसके खिलाफ नहीं जाएंगे : एसए रामदास

- टिकट कटने से भाजपा विधायक एसए रामदास नाराज भी दिखे

दिल्ली । कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने से नाराज कृष्णराजा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विधायक एसए रामदास ने पार्टी सांसद प्रताप सिम्हा और चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार टीएस श्रीवत्स से मिलने से इनकार कर दिया। दोनों नेता सोमवार रात रामदास से मिलने उनके विद्यारण्यपुरा स्थित घर गए थे लेकिन निवर्तमान विधायक ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया। बताया जा रहा है कि वह भाजपा द्वारा टिकट नहीं दिए जाने से नाराज हैं। रामदास के अपनी ही पार्टी के साथियों से मिलने से इनकार करने की जानकारी मिलते ही राज्य की राजनीति में गहमागहमी शुरू हो गयी है। रामदास के समर्थक शनिवार को बड़ी संख्या में उनके आवास के सामने जमा हुए थे और उन्हें पार्टी से टिकट देने की मांग को लेकर नारे लगाए थे। वह ब्राह्मण और लिंगायत बहुल कृष्णराज निर्वाचन क्षेत्र से चार बार निर्वाचित हुए हैं। रामदास ने कहा कि कुछ दलों ने उनसे संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि चार बार निर्वाचन क्षेत्र से जीतने के बावजूद पार्टी ने उन्हें कई बार कैबिनेट सीट के योग्य नहीं माना। उन्होंने कहा कि वह भाजपा को अपनी दूसरी मां मानते हैं और इसके खिलाफ नहीं जाएंगे। राज्य में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने वाला है।

समलैंगिक विवाह पर सीजेआई... हम सब कुछ नहीं तय कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एस के कौल, न्यायमूर्ति एस आर भट, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने मामले की सुनवाई शुरू की। इस बेहद मौलिक मुद्दा बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 13 मार्च को इन याचिकाओं को सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष भेजा था।

इस दौरान वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि समानता के अधिकार तहत हमें विवाह को मान्यता मिलनी चाहिए, क्योंकि सेक्स ओरिएंटेशन सिर्फ महिला-पुरुष के बीच नहीं, बल्कि समान लिंग के बीच भी होता है। समलैंगिक समूहों की ओर से वकील रोहतगी ने कहा कि हमें सम्मान से जीने का अधिकार है और यह अधिकार संविधान ने दिया है। हमें विवाह करने का अधिकार है और हमें राज्य सरकार से विवाह को मान्यता और अधिकार मिले। समलैंगिक विवाह पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम सब कुछ नहीं तय कर सकते।

बता दें कि इसके पहले सोमवार को सुप्रीम कोर्ट समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं की विचारणीयता पर सवाल उठाने वाली केंद्र की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया था। प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने याचिका का उल्लेख करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के प्रतिवेदन का संज्ञान लिया।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि समलैंगिक विवाह को मान्यता देने का अनुरोध करने वाली याचिकाएं ''शहरी संभ्रांतवादी विचारों को प्रतिबिंबित करती हैं और विवाह को मान्यता देना अनिवार्य रूप से एक विधायी कार्य है, जिस पर अदालतों को फैसला करने से बचना चाहिए। केंद्र ने याचिकाओं के विचारणीय होने पर सवाल करते हुए कहा कि समलैंगिक विवाहों की कानूनी वैधता 'पर्सनल लॉ और स्वीकार्य सामाजिक मूल्यों के नाजुक संतुलन को गंभीर नुकसान पहुंचाएगी।

इस मामले की सुनवाई और फैसला देश पर व्यापक प्रभाव डालेगा, क्योंकि आम नागरिक और राजनीतिक दल इस विषय पर अलग-अलग विचार रखते हैं। दो समलैंगिक जोड़ों ने विवाह करने के उनके अधिकार के क्रियान्वयन और विशेष विवाह कानून के तहत उनके विवाह के पंजीकरण के लिए संबंधित प्राधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध करते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं, जिन पर न्यायालय ने पिछले साल 25 नवंबर को केंद्र से अपना जवाब देने को कहा था।

सीजेआई और सॉलिसिटर जनरल के बीच हुई तीखी नोकझोंक

समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर सुनवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट और केंद्र में ठन गई। जब संविधान पीठ ने सुनवाई शुरू की, तब केंद्र ने आपत्ति जाहिर की हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वे याचिकाओं का दायरा समझना चाहते हैं। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पहले याचिकाकर्ता केंद्र के प्रिलिमनरी सबमिशन का जवाब दें। सीजेआई ने कहा कि मैं इंचार्ज हूं, मैं डिसाइड करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं किसी को यह बताने नहीं दूंगा कि इस अदालत की कार्यवाही कैसे चलनी चाहिए। इस पर एसजी ने कहा कि फिर हमें यह सोचने दीजिए कि सरकार को इस सुनवाई में हिस्सा लेना चाहिए भी या नहीं। जस्टिस एसके कौल ने कहा कि सरकार का यह कहना कि वह सुनवाई में हिस्सा लेगी या नहीं, अच्छा नहीं लगता। यह बेहद अहम मामला है। इतनी बहस के बाद सुनवाई शुरू हुई।

शराब घोटाले से तो मिली राहत, लेकिन केजरीवाल के सामने अभी दो और कानूनी मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भले ही शराब घोटाले में थोड़ी राहत मिल गई हो, लेकिन अभी दो और बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि केजरीवाल इन दिनों चौतरफा मुश्किलों में घिरे हुए हैं। उन्हें एक साथ कई मुकदमों और पूछताछ का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ जहां रविवार को दिल्ली के शराब घोटाले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने उनसे 9 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की तो अब उन्हें गोवा से गुजरात तक कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करना है। गोवा में जहां पुलिस उनसे पूछताछ करेगी तो गुजरात में एक मानहानि केस में कोर्ट में पेशी होनी है। जानकारी के अनुसार दिल्ली के कथित शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल को आरोपी नहीं बनाया गया है। लेकिन ईडी की चार्जशीट में कुछ जगहों पर उनका नाम लिया गया है। वहीं, सीबीआई का भी कहना है कि कुछ आरोपियों ने पूछताछ में उनका नाम लिया है और इसको लेकर उनसे पूछताछ करना जरूरी था। 9 घंटे की पूछताछ के बाद जब केजरीवाल बाहर निकले तो उन्होंने कहा कि एजेंसी ने उन्हें दोबारा नहीं बुलाया है।

हालांकि, जांच एजेंसी की ओर से अभी इस पर कुछ नहीं कहा गया है। सूत्रों की मानें तो केजरीवाल की ओर से दर्ज कराए गए बयानों और अन्य आरोपियों के बयानों की जांच के बाद यह तय किया जाएगा कि केजरीवाल से आगे पूछताछ होगी या नहीं। फिलहाल सीबीआई वाली पहली मुश्किल तो उन्होंने पार कर ली है। पूछताछ के बाद मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ बाहर आए केजरीवाल ने यह जताने की कोशिश की कि सबकुछ ठीक ठाक है। उनके लिए असहज या परेशान होने वाली स्थिति नहीं है।

बता दें कि गोवा पुलिस ने 2022 के विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध रूप से पोस्टर चिपकाने के एक मामले में अरविंद केजरीवाल को तलब किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को 27 अप्रैल को पेश होने को कहा गया है। पेरनेम पुलिस के मुताबिक, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 (ए) के तहत केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। इसके तहत पुलिस किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुला सकती है यदि उचित शिकायत या संदेह है कि उसने अपराध किया है।

एनसीपी छोड़ने की अफवाहों को अजीत पवार ने सिरे से नकारा

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी छोड़ने की अफवाहों को महाराष्ट्र विस में विपक्ष के नेता अजीत पवार ने सिरे से नकार दिया है। उन्होंने पार्टी नेता अनिल पाटिल से हुई मुलाकात के बाद कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। हालांकि विगत दो दिनों से ये खबरें जोर पकड़ रही थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी छोड़ने की खबरों पर एनसीपी नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार ने कहा -मेरे बारे में फैली अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। मैं एनसीपी के साथ हूं और पार्टी के साथ रहूंगा। एनसीपी नेता अजित पवार के कथित रूप से बगावत अटकलों के बीच अजित पवार से मुलाकात के बाद पार्टी नेता अनिल पाटिल ने कहा आज मैंने उस न्यूज के बारे में चर्चा की, जो 2-3 दिन से चल रही थी। जो न्यूज में चल रहा है वैसा कहीं पर चर्चा नहीं हुआ है। तो इसे रोकना चाहिए क्योंकि आज तक कोई चर्चा दादा और किसी और की नहीं हुई है। हम अजित दादा के साथ हैं और आगे भी रहने वाले हैं और अजित दादा एनसीपी के साथ हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को उन अटकलों को खारिज कर दिया कि उनके भतीजे अजीत पवार सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ हाथ मिलाकर एक नया राजनीतिक भूकंप लाएंगे। मीडियाकर्मियों के पूछने पर पवार ने कहा, अजीत पवार बयान में कोई सच्चाई नहीं है, उन्होंने आज विधायकों की कोई बैठक नहीं बुलाई है, हम सभी एनसीपी को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं। अजित पवार के कम से कम 40 एनसीपी विधायकों के समर्थन का दावा करने वाली खबरों के बीच पवार ने कहा, जो आपके दिमाग में है, वह हमारे विचारों में नहीं है। इससे पहले दिन में विपक्ष के नेता अजीत पवार ने भी सभी चर्चाओं को झूठा करार दिया, जबकि उनकी चचेरी बहन और सांसद सुप्रिया सुले ने इस मुद्दे पर बोलने से इनकार कर दिया।

यह शर्मनाक है, शराबबंदी वाले राज्य में जहरीली शराब पीकर मर रहे हैं लोग: पप्पू यादव

-जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादव ने मोतिहारी में पीड़ित परिजनों से की मुलाकात

-जहरीली शराब आम लोगों के लिए बन गया नासूर

मोतिहारी (एजेंसी)। जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव मोतिहारी पहुंचे, जहां पर उन्होंने जहरीली शराब से हुई मौत के पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। उसके बाद सदर अस्पताल में इलाजरत लोगों से मुलाकात करके उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरानपप्पू यादव ने मीडिया से कहा कि जहरीली शराब आम लोगों की जिंदगी के लिए नासूर बन गया है। यह शर्मनाक है कि शराबबंदी वाले राज्य में लगातार लोग जहरीली शराब पीकर मर रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहा कि शराबबंदी अच्छे नियत से की गई थी, लेकिन समय पर उसकी समीक्षा किए बगैर इस बंदी को जारी रखने से प्रदेश की जनता और प्रदेश के राजस्व को हानि हुआ। आज नतीजा सबके सामने है। रोज लोग शराब पीकर मर रहे हैं और शराब धड़ल्ले से बिक रही है। इसी के आधार पर ड्रग्स का भी कारोबार पनप गया है। यादव ने कहा की आज हम एक बार फिर से शराबबंदी में जहरीली शराब से मौत की घटना के पीड़ित लोगों से मुलाकात करने पूर्वी चंपारण के तुरकौलिया गए, जहां दर्जनों लोग काल के गाल में समा गए। हमने उनके परिजनों से मुलाकात की और 10 परिवार को पार्टी की ओर से तत्काल 10-10 हजार रुपए की आर्थिक मदद भी की। हम सरकार से मांग करते हैं कि राज्य सरकार द्वारा बिहार में जहरीली शराब पीकर मरने वालों के आश्रितों को जो 4 लाख रुपये का मुआवजा की बात हुई है, वह अविलंब मिले। वहीं 2016 के बाद से जो लोग जहरीली शराब से मरे हैं, डर व अन्य कारणों से जिनका नाम रिकार्ड में नहीं आया, उनके परिजनों के लिए भी सरकार को सोचना चाहिए।

पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कहा कि यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि लोग महंगी शराब पीकर नहीं मर रहे हैं। सस्ती और जहरीली शराब पीकर लोगों की जान जा रही है। इसलिए मुख्यमंत्री जी, शराब पर 70 प्रतिशत टैक्स लगा दीजिए और यह सुनिश्चित कर दीजिए कि शराब गांव और पंचायत में उपलब्ध न हो। साथ ही 25 वर्ष से कम उम्र के लोगों को शराब न मिले, इसके लिए आधार कार्ड की सहायता ली जा सकती है। हम प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों और सरकार से आग्रह करेंगे कि वे इस पर विचार करें।

यूपी से बिहार तक गर्मी के तीखे तेवर, पारा 45 पार, लू का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में फिलहाल मौसम खतरनाक रूप से करवट ले रहा है। कई राज्यों में गर्मी ने लोगों का हाल बुरा कर रखा है। फिलहाल इस गर्मी से राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इधर मौसम विज्ञान विभाग के नए अलर्ट से लोग और परेशान होने वाले हैं। आईएमडी ने कम से कम नौ राज्यों में लू यानिकी हीटवेव की चेतावनी दी है। वहीं इन राज्यों के कई शहरों का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है।

मौसम विभाग के अनुसार बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में हीट वेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही चार अन्य राज्यों- सिक्किम, झारखंड, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में हीट वेव की स्थिति होने की आशंका है। जो आने वाले समय में लोगों के लिए कठिनाई पैदा कर सकती है।

यहां यह बात गौरतलब है कि देश भर में सामान्य से अधिक गर्मी ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि भारत के कुछ हिस्सों को मंगलवार को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में एक पश्चिमी विक्षोभ के आने से कुछ राहत मिलेगी। पंजाब और हरियाणा में सोमवार को लू जैसा तापमान रहा, मंगलवार को भी ऐसे ही हालात रहने की उम्मीद है। हीटवेव के लिए एक ऑरेंज अलर्ट का तात्पर्य उन लोगों में गर्मी की बीमारियों की बढ़ती आशंका के साथ उच्च तापमान से है, जो या तो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।

जानकारों का कहना है कि अलर्ट महाराष्ट्र सरकार के एक कार्यक्रम में कई घंटे खुले में बैठने के दौरान 13 लोगों की मौत के एक दिन बाद आया है। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कहा है कि जब हवाएं पूर्वी दिशा से या बंगाल की खाड़ी की दिशा से चलती हैं तो कई बार बादल छा जाते हैं जो पूर्वी राज्यों में तापमान को कम कर देते हैं। लेकिन उत्तर-पश्चिम से गर्म, शुष्क हवाएं पूर्वी भारत में चल रही हैं। इसलिए, पूर्वी राज्यों के लोगों को पर्याप्त रूप से गर्मी से बचाव के उपाय करने की आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवसारी को एक साल में मिला दूसरा टाइडल रेगुलेटर डेम, मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

अब्रामा में 10 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास

अंबिका नदी पर डुबाऊपुल के स्थान पर 39 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित ब्रिज का लोकार्पण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले को एक वर्ष में दूसरा डेम मिला है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने मंगलवार को इसका शिलान्यास किया। दरअसल समुद्री भरती का पानी पूर्णा नदी के जरिए नवसारी के गांवों में खारापन बढ़ाता है। इसकी रोकथाम के लिए कई सालों से पूर्णा नदी पर टाइडल रेग्युलर डेम बनाने की मांग की जा रही थी। आज यह मांग पूरी हो गई है। नवसारी जिले के कस्बापार में 110 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 'पूर्णा टाइडल रेगुलेटर डैम प्रोजेक्ट'का मंगलवार को शिलान्यास करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के विकास की इमारत पंचशक्ति के आधार पर रखी है, जिसके मीठे फल राज्य की जनता को मिल रहे हैं। पंचशक्ति अर्थात् जल शक्ति, ऊर्जा शक्ति, ज्ञान शक्ति , रक्षा शक्ति तथा जन शक्ति के ज़रिये ही गुजरात विकास की राह में अग्रसर रहा है ।ऐसे में राज्य सरकार ने जल शक्ति का महिमागान करते हुए इसे जनशक्ति से जोड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में पीने के, घर में उपयोग करने के तथा सिंचाई के पानी की समस्या न हो; इसके लिए उदाहरणीय जल व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने पूर्णा टाइडल रेगुलेटर योजना की ई-तकती का अनावरण किया तथा प्रोजेक्ट स्थल पर भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री के करकमलों से चीखली में38 करोड़ रुपएकी लागत से बनने वाली 100 बेड के सबडिस्ट्रिक्टहॉस्पिटल तथा जलालपोर तहसील के अब्रामा में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ गुजरात द्वारा 90 करोड़ की लागत से बनने वाले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। साथ ही गणदेवी-अमलसाड मार्ग पर धमडाछा के पास अंबिका नदी पर डुबाऊ पुल के स्थान पर राज्य सड़क एवं भवन विभाग द्वारा 39 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित हाईलेवलब्रिज कालोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कस्बापार क्रिकेट ग्राउंड में नर्मदा, जल संसाधन, जलापूर्ति एवं कल्पसार विभाग द्वारा आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में श्रेणीबद्ध चेकडैम, बोरीबांध, सुजलाम-सुफलाम तथा अन्य बहुद्देश्यीय योजनाओं, नहर और पाइपलाइन नेटवर्क, सौनी योजना, टाइडल प्रोजेक्ट्स जैसे जलसंचय, जलसिंचाईके आयामों से राज्य में भूजल स्तर ऊँचाउठा है। मुख्यमंत्री ने पूर्णा रेगुलेटर प्रोजेक्ट सेनवसारी शहर तथा आसपास के 21 गाँवों के लोगों को होने वाले आर्थिक लाभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट से 18 किलोमीटर लंबा एक विशाल जलाशय बनेगा, जिसमें 255 लाख घन फ़ीट मीठे पानी का संग्रह होगा। इतना ही नहीं, आसपास के 21 गाँवों की 4200 एकड़ भूमि को सिंचाई का लाभ होगा।समुद्र का ज्वारीय जल नदी में प्रवेश करना बंद कर देगा। इससे सतही एवं भूमिगत जल की लवणता तथा कृषि योग्य उपजाऊ भूमि को होने वाले नुक़सान को रोका जा सकेगा और यहाँ मीठे पानी का विशाल सरोवर बनने से आसपास की भूमि का भूमिगत जल स्तर ऊपर उठेगा।मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्णा नदी का जल नवसारी ज़िले के विकास का अमृत बनेगा। पटेलने पानी को विकास का मुख्य आधार बताते हुए कहा कि जलाशयों सहित भूमिगत जल स्तर को ऊपर लाना सरकार का लक्ष्य है, ताकि राज्य में पेयजल या सिंचाई के पानी की समस्या न हो। बिलिमोरा के पास कावेरी नदी पर एक साल पूर्व शुरू किया गया वाघरेच टाइडल रेगुलेटर प्रोजेक्ट समयबद्ध कार्य के कारण पूर्णता की ओर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रधानमंत्री की विशिष्ट कार्यप्रणाली 'जिन विकास कार्यों का शिलान्यास करें, उनका समयबद्ध लोकार्पण हो' से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने गौरवपूर्वक कहा कि वाघरेच टाइडेल प्रोजेक्ट इसका प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने गर्व से कहा कि हमारी सरकार के लिए कॉमनमेन केंद्र में है। पूर्व में भी राज्य सरकार योजनाओं के माध्यम से अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए लगातार सजग रही है। सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है।उन्होंने कहा कि सरकार ने जाति-धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि नागरिक धर्म के आधार पर हमेशा सुशासन देने का प्रयास किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के प्रत्येक ज़िले में ७५ अमृत सरोवरों के निर्माण करने का रचनात्मक सुझाव दिया था,जिसका अनुसरण करते हुए भावी पीढ़ी को जल की समृद्ध विरासत देने के लक्ष्य के साथ प्रत्येक ज़िलें में 75अमृत सरोवरों का निर्माण तेज़ी से हो रहा है।

मोरबी दुर्घटना ब्रिज बनाने वाली कंपनी में अंतरिम मुआवजे के तौर हाईकोर्ट में जमा किए 14.62 करोड़

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोरबी,पिछले साल दिवाली के बाद मोरबी में हुई ब्रिज दुर्घटना में 135 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। ब्रिज दुर्घटना मामले की आज गुजरात हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने बताया कि ब्रिज बनाने वाली ओरेवा ग्रुप ने अंतरिम मुआवजे के तौर पर कोर्ट में रु 14.62 करोड़ रूपए जमा करवा दिए हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी मोरबी ब्रिज की निर्माता कंपनी ने मुआवजे की रकम जमा करवाई थी और शेष रकम रु 14.62 करोड़ आज हाईकोर्ट में जमा करवा दी है। इसलिए फिलहाल मामले को पूर्ण विराम देना चाहिए। बता दें कि 30 अक्टूबर 2022 को मोरबी में बना केबल ब्रिज टूट गया था और उस हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। कंपनी ने कार्यकारी चीफ जस्टिस एजे देसाई और जस्टिस बिरेन वैष्णव की बैंच को बताया कि उसने पीड़ितों को राहत के तौर पर भुगतान करने के लिए रु 14.62 करोड़ की रकम गुजरात राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण में जमा कर दी है। जिसमें मुआवजे की समान रकम दो किश्तों में जमा की गई है। ओरेवा ग्रुप ने गुजरात हाईकोर्ट में आज बताया कि फरवरी में हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक ब्रिज दुर्घटना के पीड़ितों को अंतरिम मुआवते के तौर पर आज रु 14.62 करोड़ जमा करवाए गए हैं।

तांत्रिक विधि के नाम पर महिला से दुष्कर्म, पीड़िता की शिकायत पर पुलिस की जांच शुरू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,शहर में एक महिला को ज्यादा रूपए कमाने की लालच में तांत्रिक विधि कराना महंगा पड़ गया। तांत्रिक ने विधि के नाम पर महिला के साथ दुष्कर्म किया और उसके बाद अपने साथ रख लिया। एक दिन महिला से झगड़ा कर तांत्रिक फरार हो गया। जिससे महिला ने वडोदरा पुलिस थाने में तांत्रिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के गोत्री क्षेत्र में रहनेवाली एक महिला की पहले दो दफा शादी हो चुकी है। पहले पति से महिला को दो संतानें हुईं। पहले पति के विवाहेत्तर संबंधों के चलते महिला ने उसे छोड़ दूसरी शादी कर ली। दूसरा पति का शराब का आदी था, इसलिए उसे भी छोड़ दिया। बाद में महिला का अपने पिता के मित्र के जरिए भावनगर के एक तांत्रिक कश्यप उर्फ बापु हसमुख रामानुज से संपर्क हुआ। तांत्रिक ने महिला को अच्छी नौकरी दिलाने और ब्यूटी पार्लर कराने की लालच दी और कहा कि उसके लिए विधि करानी होगी। विधि कराने के लिए तांत्रिक को महिला अपने धर्म के भाई के घर ले गई। जहां तांत्रिक महिला को एक कमरे में ले गया और कहा कि विधि के लिए तुम्हें अपने कपड़े उतारने होंगे। जब महिला ने विधि के लिए कपड़े उतारने की जख्त पर सवाल किया तो तांत्रिक ने उसे दबोच लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके पश्चात तांत्रिक ने महिला से कहा कि अब हमारे बीच संबंध कायम हो गए हैं यानी हमारी शादी हो गई है और हम पति-पत्नी बन गए हैं। मैं अपने माता-पिता से बात कर लूं उसके बाद तुम्हें भावनगर आना होगा। इस घटना के बाद तांत्रिक ने महिला के साथ अनेकों बार दुष्कर्म किया और दोनों पति-पत्नी की तरह साथ में रहते थे। हांलाकि बाद में तांत्रिक महिला को छोड़कर फरार हो गया। जिससे महिला ने वडोदरा के पुलिस थाने में तांत्रिक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। जिसमें महिला ने आरोप लगाया कि मेरा ऑपरेशन हुआ था उसके बाद भी तांत्रिक शारीरिक संबंध बनाने की मांग कर रहा था। जब मैंने इंकार कर दिया तो वह मुझे छोड़कर फरार हो गया।

भावनगर डमी कांड में विद्यार्थी नेता युवराजसिंह जाड़ेजा को समन,बुधवार 12 बजे पेश हों

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर डमी कांड में विद्यार्थी नेता युवराजसिंह को भावनगर पुलिस ने समन जारी कर बुधवार दोपहर 12 बजे तक पेश होने की ताकीद की है। युवराजसिंह जाडेजा को भावनगर पुलिस के समक्ष अपना बयान दर्ज कराना होगा। बता दें कि एक आरोपी बिपिन त्रिवेदी ने युवराजसिंह जाडेजा पर आरोप लगाया है कि उन्होंने डमी कांड में छिपाने के लिए लाखों रूपए लिए हैं। वायरल हुए एक वीडियो में बिपिन त्रिवेदी यह कहता नजर आ रहा है कि प्रदीप नामक व्यक्ति ने मुझसे कहा-युवराजसिंह बार बार मेरा नाम ले रहा है। जिसकी वजह से पुलिस मेरे घर आती है, ऐसा कहते हुए प्रदीप ने मुझसे युवराजसिंह के साथ बात करने को कहा था। जिसके बाद मैंने इस संदर्भ में युवराजसिंह से बातचीत की थी और बाद में प्रदीप, घनश्याम, शिवुभा तथा युवराजसिंह के बीच बैठक भी कराई थी। हांलाकि दोपहर 2 बजे लेक्चर होने की वजह से मैं बैठक से निकल गया था। लेक्चर पूर्ण होने के बाद मुझे पता चला कि रु 55 लाख में डील हो गई है। इस डील में युवराजसिंह के दो साले शिवुभा और कानभा भी शामिल थे।

55 लाख रूपए की हुई डील की रकम तीन किश्तों में दी गई। हांलाकि बिपिन त्रिवेदी के आरोपों को युवराजसिंह जाडेजा ने आधारहीन करार दिया था। इसी डमी कांड में मामले में भावनगर पुलिस ने पूछताछ के लिए युवराजसिंह को समन जारी कर बुधवार की दोपहर 12 बजे पहुंचने का आदेश दिया है।

सूरत की एक फर्म ने बनाई 50,907 हीरों से एक सिंगल रिंग

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाड्र्स में दर्ज हुआ नाम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, हरि कृष्णा एक्सपोर्ट्स और इसकी समूह कंपनी एचके डिजाइन ने एक अंगूठी में अधिकतम संख्या में हीरे जड़ने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। सूरत की इस फर्म ने पिछले दिनों 50,907 हीरों से एक सिंगल रिंग बनाई थी। कंपनी को हाल ही में मुंबई में खिताब से सम्मानित किया गया था। इससे पहले भी सूरत की कई फर्म इस तरह की कोशिश करके अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाड्र्स दर्ज करा चुकी हैं, हालांकि उसमें डायमंड की संख्या कम थी। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड् में दर्ज हुई सिंगल रिंग (अंगूठी) की कीमत 65 लाख रूपये आंकी गई है।

50,907 डायमंड वाली अंगूठी को बनाने में नौ माह का समय लगा। इसमें डिजाइन से लेकर डायमंड की कटिंग और फिनिशिंग का काम हुआ। इस रिंग के निर्माण में 18 कैरेट गोल्ड का इस्तेमाल हुआ है। रिंग में कुल आठ हिस्से हैं। इनमें पखुंड़ियों की परतें और टांग के साथ दो हीरे की डिस्क और तितली शामिल है। अंगूठी के प्रत्येक हीरे को कारीगरों की एक टीम द्वारा हाथ से सेट किया है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि इस अंगूठी का नाम यूटिएरिया रखा गया है। जिसका मतलब प्रकृति के साथ एक हो जाना है। इस अंगूठी को बनाने का उद्देश्य प्रकृति के साथ इंसानों के संबंध को दिखाना है। एचके एक्सपोर्ट्स के संस्थापक और अध्यक्ष सावजी ढोलकिया के अनुसार हम पर्यावरण के संतुलन के रिंग में स्थापित प्रत्येक हीरे के लिए एक पेड़ लगाएंगे।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाड्र्स में दर्ज हुई इस अंगूठी की खासियत यह है कि इस पूरी तरह से रिसाइकिल मैटेरियल से तैयार किया गया है। इसमें रिसाइकिल गोल्ड और डायमंड का इस्तेमाल हुआ है। हरि कृष्णा एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के नाम इस रिंग को बनाने रिकॉर्ड 11 मार्च, 2023 को दर्ज किया गया है। कंपनी के एमडी घनश्याम घोलकिया के अनुसार हम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकाड्र्स के आभारी हैं, कि उन्होंने हमारी टीम की तरफ से कड़ी मेहनत के बाद तैयारी की गई।

राजकोट नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के चेयरमैन समेत 15 सदस्यों का इस्तीफा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट शहर की राजनीति को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। राजकोट नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के चेयरमैन समेत 15 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया है। बीते दिन ही गुजरात प्रदेश भाजपा कार्यालय कमलम में बैठक हुई थी और आज राजकोट नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के 15 सदस्यों के इस्तीफे के बाद राजनीति गरमा गई है। जानकारी के मुताबिक राजकोट नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के चेयरमैन अतुल पंडित, वाइस चेयरमैन संगीता छाया समेत 15 सदस्यों के आज कमलम में शहर प्रमुख कमलेश मिराणी और महापौर डॉ. प्रदीप डव की मौजूदगी में इस्तीफे ले लिए गए। बताया जाता है कि पिछले काफी समय से राजकोट शहर भाजपा प्रमुख और शिक्षा समिति के सदस्यों के बीच गुटबाजी चल रही थी। आंतरिक गुटबंधी के चलते बीते दिन प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में राजकोट शहर प्रमुख, महापौर, नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के चेयरमैन समेत सदस्यों की सीआर पाटील की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। बैठक के दूसरे दिन नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के 15 सदस्यों के इस्तीफे ले लिए गए। इस्तीफों को लेकर राजकोट शहर भाजपा प्रमुख कमलेश मिराणी ने बताया कि यह हमारी पार्टी का आदेश है और उसका हर आदेश सिरोमान्य है। पार्टी जो भी जिम्मेदारी सौंपती है उसे हम निष्ठापूर्वक निभाते हैं। आज नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के सदस्यों को इस्तीफा देने को कहा गया है और सभी ने दे भी दिया। पार्टी में किसी प्रकार की गुटबंदी या आंतरिक कलह नहीं है। पार्टी के आदेश पर सदस्यों ने अपने पदों से इस्तीफा दिया है। इस्तीफा देने वाले सदस्यों में नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के चेयरमैन अतुल पंडित, वाइस चेयरमैन संगीता छाया के अलावा किशोर परमार, विजय टोलिया, रवि गोहेल, किरीट गोहेल, तेजस त्रिवेदी, जेडी भाखड़, शरद तलसाणिया, अश्विन दूधरेजिया, धैर्य पारेख, फारुख बावाणी, पीना कोटक, जागृति भाणवाडिया और मेधावी सिंधव शामिल हैं।